हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, मंगलवार 24 फरवरी 2026

तापमान

अधिकतम 31.6 डिग्री

न्यूनतम 15.6 डिग्री

12 खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र, असर; ट्विनसिटी...

13 शिवाजी की वीरता, साहस व राष्ट्रभक्ति की ...

खबर संक्षेप

जमीन बेचने का झांसा देकर 13 लाख की ठगी

भिलाई। जमीन बेचने का झांसा देकर लाखों रुपए की ठगी करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। छावनी पुलिस ने बताया कि वर्ष 2024 में आरोपी मंडल टाउन नेहरू नगर सुपेला निवासी जगजीत उर्फ करण सिंह ने ग्राम जंजगिरी स्थित भूमि को अपना बताकर पीड़ित को बेचने का सौंदा किया। आरोपी जगजीत ने किस्तों में कुल 13 लाख रुपये लेने के बाद रजिस्ट्री कराने का आश्वासन दिया। लेकिन उक्त जमीन को अन्य व्यक्ति के नाम पंजीकृत होना पाया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया है।

धारदार हथियार के साथ युवक पकड़ाया

भिलाई। धारदार हथियार लेकर लहराते हुए युवक को पुलिस ने पकड़ा है। मुखबिर की सूचना पर कोसा नगर स्थित रामलीला मैदान के पास एक युवक अपने हाथ में लोहे का धारदार हथियार लेकर लहरा रहा था। आम नागरिकों को डरा-धमका रहा है, जिससे क्षेत्र में भय का वातावरण निर्मित हो गया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को पकड़कर हिरासत में लिया गया।

जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक 26 को

दुर्ग। जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक गुरुवार 26 फरवरी को शाम 4 बजे जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सभी सदस्य बैंकर्स, शासकीय विभाग के अधिकारी को प्रस्तावित एजेंडा अनुसार पूर्ण अद्यतन जानकारी सहित समय पर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा गया है। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे सारी तैयारियों के साथ बैठक में उपस्थित होवें।

अग्निवीर भर्ती के लिए एक अप्रैल तक आवेदन

दुर्ग। भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती की प्रक्रिया एक बार फिर शुरू हो गई है। ऑनलाइन आवेदन मंगाए गए हैं। दुर्ग जिले के ऐसे अविवाहित पुरुष एवं महिला अभ्यर्थी जिनकी जन्म तिथि 1 जुलाई 2005 से 1 जुलाई 2009 के मध्य है। वे इस भर्ती के लिए 1 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकेंगे। इस भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से अग्निवीर जनरल ड्यूटी (पुरुष व महिला), अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर व अग्निवीर ट्रेड्समैन (8वीं व 10वीं पास) के पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके अतिरिक्त सिपाही (फार्मा) के पदों के लिए भी पुरुष आवेदकों से आवेदन मंगाए गए हैं, जिनकी जन्म तिथि 1 जुलाई 2002 से 1 जनवरी 2008 के बीच होना अनिवार्य है।

शहर में कम होगा ट्रैफिक का दबाव

80 करोड़ में बनेंगे खुर्सीपार और सिरसा गेट में फ्लाईओवर स्मृतिनगर से आरोग्यम हॉस्पिटल तक बनेगी सर्विस लेन

सड़क सुरक्षा की जिला स्तरीय बैठक में सर्विस रोड और दो फ्लाईओवर को मंजूरी, यातायात व्यवस्था सुधारने बनी कार्ययोजना

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

खास खबर

नेहरूनगर से कुम्हारी तक फोरलेन पर ट्रैफिक का दबाव कम करने की कवायद शुरू हो गई है। इसके अलावा कातुलबोड़ होकर धमधा नाका तक पहुंचने के लिए शहर को एक और सड़क मिलेगी। इसके लिए झरोखा पैलेस से आरोग्यम हॉस्पिटल तक नई सर्विस लेन सड़क की स्वीकृति प्रदान की गई है। इसका काम जल्द शुरू होना है।

शहर में ट्रैफिक के बढ़ते दबाव को देखते हुए यह कवायद शुरू की गई है। खबर है कि करीब 80 करोड़ रुपए की लागत से दोनों नए फ्लाईओवर का निर्माण होगा, जिसका काम भी शुरू हो चुका है। वहीं कातुलबोड़ में करीब 1 करोड़ की लागत से सर्विस लेन सहित अन्य सड़कों का निर्माण और कांक्रीटीकरण किया जाएगा। इसे लेकर ट्रैफिक पुलिस की एएसपी ऋचा मिश्रा और नेशनल हाईवे के अधिकारियों ने स्थल निरीक्षण किया। यातायात दबाव एवं रॉन्ग साइड वाहन संचालन की समस्या को देखते हुए सर्विस लेन की स्वीकृति प्रदान की गई। बता दें कि यातायात पुलिस ने कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में इस विषय को लेकर चर्चा की थी। बैठक में जिले के प्रमुख यातायात प्रभावित क्षेत्रों की समीक्षा करते हुए स्थायी समाधान हेतु आवश्यक प्रस्ताव रखे गए। इसके बाद काम शुरू करने का निर्णय लिया गया।

350 करोड़ खर्च कर बनाए चार 4 फ्लाईओवर नहीं रोक पाए ट्रैफिक का दबाव, इसलिए दो नए की ली गई स्वीकृति

बता दें कि नेहरूनगर से कुम्हारी तक यानी 20 किलोमीटर के बीच नेशनल हाईवे पर 350 करोड़ रुपए खर्च कर बनाए गए चार फ्लाई ओवर नाकाफी साबित गए हैं। गुजरने वाले वाहनों के दबाव और ट्रैफिक को नियंत्रित रखने में ये फ्लाई ओवर फेल हो गए हैं। इसे देखते हुए नेशनल हाईवे ने करीब 80 करोड़ रुपए खर्च कर दो और फ्लाई ओवर की स्वीकृति ली है। चंद्रा-मौर्या, पॉवर हाउस, डबरापारा और कुम्हारी में चार फ्लाई ओवर तीन साल पहले ही बनकर तैयार हुए हैं।

दोनों नए फ्लाई ओवर की लंबाई औसतन 1000 मी.

एनएच के अधिकारियों ने बताया कि दोनों फ्लाईओवर की लंबाई औसतन 1-1 हजार मीटर रहेगी। दोनों ब्रिज करीब 2.41 किमी के होंगे। 22 जनवरी को इसकी स्वीकृति मिली है। प्रोजेक्ट दो महीने पहले ही तैयार कर केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्रालय को भेजा गया था। इन दोनों ब्रिज के बनने से सिरसा गेट और खुर्सीपार चौक में लगने वाले जाम से मुक्ति मिलेगी। गुजरने वाले वाहन सीधे कुम्हारी तक पहुंच सकेंगे। वर्तमान में खुर्सीपार, भिलाई-तीन, चरोदा और कुम्हारी के कुछ क्षेत्र में एनएच बीच शहर से होकर गुजरी है। इस दौरान हर समय हादसे का खतरा बना रहता है, जिसके देखते हुए यह स्वीकृति ली गई है।

कातुलबोड़ में 1 करोड़ की लागत से बनेगी सड़कें, मिली मंजूरी

पिछले दिनों मंत्री गजेन्द्र यादव ने कातुलबोड़ क्षेत्र का निरीक्षण किया था। उन्होंने सर्विस लेन के निर्माण के निर्देश दिए। इसके बाद 1 करोड़ की राशि की स्वीकृत की गई। इसके अंतर्गत यादव पारा, लोहार पारा, हरि नगर, रजत होम्स गली 1, मुस्कान पैलेस के सामने, हैरिटेज स्कूल सहित 15 स्थान पर सीमेंटीकरण सड़क निर्माण किया जाना तय किया गया। काम भी शुरू हो चुका है। अब झरोखा से आरोग्यम हॉस्पिटल तक सर्विस लेन का काम शुरू होना है।

अमानवीय कृत्य : बोरई नवोदय विद्यालय का मामला, परिजनों में आक्रोश

मोबाइल मिलने पर छात्रों की ढाई घंटे तक पिटाई

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

दुर्ग जिले के बोरई स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में वहां के स्टॉफ द्वारा बच्चों को कमरे में बंद करके बेरहमी से पिटाई करने का मामला सामने आया है। इस मामले को लेकर परिजनों ने आक्रोश जताते हुए कार्रवाई की मांग की है।

जिन छात्रों को मारा गया है वो विद्यालय में 11वीं कक्षा के छात्र हैं। उन्होंने बताया कि घटना शनिवार 21 फरवरी की है। बच्चे अपने अभिभावक की सहमति से मोबाइल हॉस्टल में रखते हैं, जिससे की वो उसे पढ़ाई में इस्तेमाल कर सकें। बच्चों ने बताया कि शनिवार को स्कूल के टीचर मंडलोई सर, पीयुष सर और गौतम सर आए। सात आठ छात्रों को वाइस प्रिंसिपल के कमरे में ले गए। वहां बंद करके उन्होंने सभी बच्चों को मोबाइल में पोर्न देखने का आरोप लगाते हुए गंदी गंदी गालियां दी और डंडे, जूते व हाथ से बुरी तरह मारा। इस दौरान एक छात्र के कान में गहरी चोट आई और कुछ अन्य छात्रों को भी चोटें आई हैं। इसके बाद सभी बच्चों को नगपुरा शासकीय चिकित्सालय ले जाया गया। वहां उनका इलाज कराया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद बच्चों के परिजनों ने आक्रोश जताते हुए कार्रवाई की मांग की है।

ढाई घंटे तक कमरे में बंद करके पिटाई करते रहे टीचर

बच्चों ने बताया कि टीचर्स ने उन्हें वाइस प्रिंसिपल के कमरे में बुलाया और कमरे को बंद कर दिया। इसके बाद उन्होंने एक एक करके सभी को डंडे और लात घूंसों से बुरी तरह पीटा। इस दौरान उन्होंने उन्हें गंदी गंदी गालियां दीं। बच्चें दर्द से चिल्लाते रहे, लेकिन अध्यापकों का मन नहीं पसीजा। ढाई घंटे तक पिटाई करके जब वो थक गए तब रुके और बच्चों को धमकी दी कि यदि किसी को कुछ बताया तो स्कूल से निकाल देंगे। बच्चों को इलाज के लिए ले जाते समय भी यह कहा गया कि वो डॉक्टर को यह बताएं कि खेलते समय वो गिरे हैं और इससे उन्हें चोटें आई हैं। बच्चों का कहना है कि स्कूल एक बच्चा मोबाइल लेकर गया था, टीचर को उसे पनिश करना था, लेकिन इस तरह सभी को मारना पूरी तरह से गलत है। सभी ने पूरी घटना की जनकारी अपने माता पिता को रो-रोकर बताई, जिससे परिजनो में स्कूल प्रबंधन के खिलाफ भारी आक्रोश है।

कार्रवाई की मांग

बच्चों के माता पिता से जब बात की गई तो उन्होंने कहा कि स्कूल का एक वाट्सअप ग्रुप है। यदि उनके बच्चों ने गलती की थी तो पहले स्कूल प्रबंधन को उन्हें जानकारी देना था, उन्हें बुलाकर शिकायत करना था। इस तरह से बच्चों को अपराधी की तरह बंद करके मारना पूरी तरह से गलत है। परिजनों ने मांग की है कि इस मामले की जांच होनी चाहिए और दोषी अध्यापकों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, जिससे ऐसा दोबारा न हो।

होगी कार्रवाई

मारपीट की घटना के जानकारी मिली है।

घटना के समय मैं वहां मौजूद नहीं था। इस संबंध में जो भी शासकीय कार्रवाई होगी वो की जाएगी। भविष्य में इस तरह की घटना न हो इसके लिए भी ठोस कदम उठाए जाएंगे।

शंकर प्रसाद, प्रिंसिपल, जवाहर नवोदय विद्यालय नगपुरा

रानीतराई पुलिस थाना क्षेत्र की घटना

खेत में पानी डालने को लेकर विवाद के बाद हत्या, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

खेत में पानी डालने को लेकर विवाद के बाद अधेड़ की हत्या करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। घटना का खुलासा करते हुए रानीतराई पुलिस ने बताया कि ग्राम केंवरा में खेत में पानी डालने की बात को लेकर रंजिश के कारण धारदार हथियार से अमर सिंह साहू के सिर, गर्दन पर हथिार से हमला किया था। घटना में अधेड़ की मौत हो गई। घटना 21 फरवरी को ग्राम केंवरा स्थित खेत की है। सूचना पर रानीतराई पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। जांच में मृतक अमर सिंह के जांच में पुलिस को मिला कि खेत में पानी डालने की बात को लेकर आरोपी ग्राम केंवरा निवासी मोहनलाल सिन्हा और मृतक का पहले से विवाद चल रहा था। मौका मिलते ही आरोपी को मौत के घाट उतार दिया। घटनास्थल निरीक्षण व तकनीकी विश्लेषण के आधार पर मोहन को पहले पकड़ा गया। पूछताछ करने पर स्वीकार किया कि रंजिश के कारण अमर सिंह को रास्ते से हटाया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी रानीतराई निरीक्षक कमल सिंह समेत उनकी टीम का था। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि आपसी विवादों का समाधान कानूनी माध्यम से करें। कानून अपने हाथ में न लें। किसी भी आपराधिक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

मारपीट कर किया प्राणघातक हमला

जामुल पुलिस ने बताया कि कुरुद निवासी कामेश्वर निषाद अपने साथियों एवन साहू, गोविंद साहू, नरेन्द्र साहू, भुनेश निषाद उर्फ भुनु के साथ झण्डा चौक कुरूद के पास कार में बैठा था। विवाद को लेकर सुलह करने की चर्चा के दौरान आरोपी खिलेश वर्मा उर्फ सन्नी द्वारा स्टील पाइप से मारपीट किया।बीच-बचाव करने पहुंचे एवन साहू को भी स्टील पाइप से सिर पर वार किया। आरोपी ने गोविंद साहू को जान से मारने की धमकी देते हुए अपने पास रखे धारदार हथियार से पीठ, रीढ़ की हड्डी के पास, दाहिने कांख के नीचे एवं मुंह वार कर दिया। घटना में कामेश्वर को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी कुरुद निवासी खिलेश वर्मा उर्फ सन्नी को पकड़ा गया।

50 लाख का ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा, दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

भारत और दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट मैच में ऑनलाइन सट्टा लगाने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने अशरफ नगर तकियापारा दुर्ग के मकान में दबिश देकर ऑनलाइन सट्टा चलाने वाले दो युवक अशरफ नगर तकियापारा दुर्ग निवासी सोहेल अहमद खान उर्फ मामू, रूआबांधा कुदरापारा वार्ड 4 संतोष कुमार गोड को पकड़ा गया। आरोपियों के पास से पुलिस ने एलईडी टीवी, मोबाइल फोन जब्त किया है। क्रिकेट मैच में हार-जीत पर रुपये का दांव लगाकर मोबाइल फोन, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से संगठित होकर ऑनलाइन सट्टा का संचालन करना आरोपियों ने स्वीकार किया। फरार आरोपी सहिल उर्फ सोनू की तलाश में पुलिस जुटी हुई है। सटोरियों से पुलिस ने एक नग लैपटॉप, एलईडी टीवी, चार मोबाइल चार्जर, डीवीआर, सेटअप बॉक्स एवं वाई-फाई राउटर और नगदी 5 हजार रुपए बरामद की गई।

मारत और दक्षिण अफ्रीका के मैच में लगाई थी बाजी, लैपटॉप, एलईडी टीवी, 4 मोबाइल, डीवीआर जब्त

बड़ों सटोरियों पर पुलिस की नजर नहीं

जिले में क्रिकेट मैच के शुरू होते ही ऑनलाइन सट्टा शुरू हो जाता है। लेकिन पुलिस कुछ ही सटोरियों तक पहुंच रही है। मगर बड़े -बड़े सटोरियों भिलाई-दुर्ग में रहकर दिगर राज्यों में सट्टे का बड़ा काम कर रहें है। इन पर पुलिस की नजर नहीं जा रही है। इसके अलावा कई बार पुलिस की दबिश की जानकारी सटोरियों तक पहुंच रही है। इसके कारण मास्टर माइंड मौके से फरार हो रहें है और प्यादे पुलिस के हाथ लग रहे है।

नेत्रहीन नेहा ने दी अफसर बनने परीक्षा

दुर्ग। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 आयोजित की गई। दुर्ग-भिलाई के 25 परीक्षा केंद्रों में प्रतिभागी परीक्षार्थी सम्मिलित हुये। इन्हीं में से एक नेहा यमराज भी है जो नेत्रहीन होने के बावजूद अपने बुलंद हौसले के साथ परीक्षा केन्द्र क्रमांक 0505 सेजेस जेआरडी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय दुर्ग पीएससी प्रारंभिक परीक्षा देने पहुंची। अपनी मेहनत से अधिकारी बनने की ख्वाइस रखने वाली नेहा के लिए जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा केन्द्र में पृथक कक्ष व लेखन कार्य हेतु सहयोगी की व्यवस्था की गई है। काजल बंजारे उनकी सहयोगी रही।

उड़नदस्ता की छापेमारी में नहीं मिला एक भी नकलची

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

सीजी बोर्ड एग्जाम लगातार जारी है। सोमवार को 12वीं के राजनीति, रसायन शास्त्र, लेखाशास्त्र, फिजियोलॉजी, वस्तु चित्रण और आलेखन, फसल उत्पादन और उद्यान शास्त्र के पर्चे हुए। आयोजित परीक्षाओं की जांच में शिक्षा विभाग द्वारा गठित उड़नदस्ता की अलग-अलग टीमों ने नकलची को पकड़ने के लिए छापेमारी की।

सहायक संचालक सीमा नायक, मिनश समन्वयक विनोद सिन्हा, बीईओ विनोद शुक्ला, डीके देवांगन, सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी कैलाश साहू ने टीम के साथ कोसानगर, फरीदनगर, सुपेला, वैशालीनगर, बेलौदी, पुरदा, नवागांव, बोरी, लिटिया, चीचा, घोटा, घोटवानी, उमरपोटी, पउवारा, मचांदुर, पुरई, घुघवा, सांकरा, अमलेश्वर, देवबलोदा, उरला, तर्रीघाट, केसरा, भनसुली, मेड़ेसरा, धमधा स्कूल में जांच की। इधर नायब तहसीलदार प्रफुल्ल गुप्ता ने चंदखुरी स्कूल में पहुंचे। उन्होंने केंद्र प्रभारी से विद्यार्थियों के बारे में जानकारी ली। शासन के निर्देशों से अवगत कराया।

छावनी थाना अंतर्गत सर्कुलर मार्केट की घटना, शार्ट सर्किट का संदेह

ड्राईफ्रूट की दुकान में लगी आग, लाखों का सामान जलकर खाक

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

सोमवार की देर शाम अचानक ड्राईफ्रूट की दुकान में अचानक आग लगने से अफरा तफरी मच गई। मिली जानकारी के मुताबिक सर्कुलर मार्केट पावर हाउस स्थित ज्योति इंटरप्राइजेस के सेकंड फ्लोर में आग लग गई। शॉर्ट सर्किट से दुकान में आग लगना बताया गया है। सूचना पर मौके में छावनी पुलिस व दमकल की टीम पहुंची। आग इतना भयंकर था कि दमकल कर्मियों के मशक्कत के बाद ही आग पर काबू पाया गया। समय रहते हुए टीम पहुंची नहीं मार्केट के कई दुकान आग के चपेट में आ सकती थी। शाम करीब 6 बजे दुकान से धुआं निकलता दिखा। जिसके कुछ ही देर में आग ने भयंकर रुप लिया। दमकल की दो वाहने मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। आग लगने से दुकान में रखा गया ड्राईफ्रूट, फर्नीचर और अन्य सामान जलकर खाक हो गया। दुकान के एक हिस्से में कपूर था इस कारण आग ज्यादा भभक गया। बताया गया है कि करीब आग लगने की घटना में 40-50 लाख रुपए का नुकसान हो गया है। व्यापारियों के मुताबिक सर्कुलर मार्केट में विद्युत वायरिंग की नियमित रुप से जांच करना अब जरुरी हो गया है। शॉर्ट सर्किट से अक्सर आगजनी की घटनाएं लगातार हो रही है।

इतने बड़े मार्केट में सुरक्षा का अभाव

इसके पूर्व भी इसी मार्केट के एक दुकान रैली के दौरान आग लग गई थी। उस समय भी सुरक्षा व्यवस्था का अभाव रहा अब भी घटने में सुरक्षा नहीं है। जबकि दुकानों में फायर सिस्टम अपडेट होना चाहिए। लेकिन यह व्यवस्था दुकानों में नहीं होने पर समान आग लगते ही जल जाया करता है। फायर ब्रिगेड की टीम को सूचना देते ही काफी समय लग जाता है। तब तक आग दुकान के सारे सामान जल जाया करते है। इससे संचालको को लाखों रुपए का नुकसान हुआ करता है। इस तरह के आग से बचने दुकानों में फायर सिस्टम अपडेट हो।

खबर संक्षेप

पेवर ब्लॉक पेविंग कार्य का हुआ भूमिपूजन

दुर्ग। कसारीडीह वार्ड 44 के अंतर्गत विभिन्न सड़कों और सार्वजनिक स्थलों पर 8 लाख रुपए की लागत से पेवर ब्लॉक पेविंग कार्य कराया जा रहा है। जिसका महापौर अलका बाघमार ने विधिवत भूमिपूजन कर कार्य का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चंद्रकार, एमआईसी सदस्य नरेंद्र बंजारे, शिव नायक, जीतू महोबिया, संजय अग्रवाल, वार्ड 44 पार्षद मनीष कोठारी, जितेंद्र ताम्रकर, राजेन्द्र ढाबाले, उमयंती ठाकुर, अयुर जैन उपस्थित रहे। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि निगम क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ होना चाहिए। यदि निरीक्षण के दौरान कहीं भी कमी या लापरवाही पाई गई तो पेवर ब्लॉक को तुरंत उखाड़कर पुनः लगवाया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी ठेकेदार की होगी।

डॉ. चौधरी बने चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रांतीय सहसंयोजक

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी के

छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह ने भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों की नियुक्ति की है। जिसमें छत्तीसगढ़ प्रदेश सहसंयोजक पद पर सेवाभावी चिकित्सा एवं भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता डॉ. प्रदीप चौधरी को जिम्मेदारी दी गई है। उनकी इस नियुक्ति पर भाजपा कार्यकर्ताओं व वरिष्ठ पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी हैं।

होली पर शराब की दुकानें बंद रखने की मांग

दुर्ग। आम आदमी पार्टी की दुर्ग लोकसभा इकाई ने आगामी रंगों के त्यौहार होली को लेकर एक अत्यंत महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दा उठाते हुए जिला प्रशासन से मांग की है कि होली के दिन दुर्ग जिले की सभी शराब दुकानों को पूर्णतः बंद रखा जाए। आम आदमी पार्टी का कहना है कि होली आपसी प्रेम और सौहार्द का प्रतीक है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों के अनुभव बताते हैं कि इस दिन शराब की सुलभ उपलब्धता के कारण अप्रिय घटनाओं में भारी वृद्धि हो जाती है। आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों ने कहा कि शासन द्वारा होली पर शराब की दुकानें खुली रखने का निर्णय आम जनमानस की सुरक्षा और भावनाओं के बिल्कुल विपरीत है। ज्ञापन सौंपने वालों में संभाग प्रभारी संजीत विश्वकर्मा, प्रदेश सचिव देविंदर सिंह भाटिया, गीतेश्वरी बघेल, ज्ञान प्रकाश तिवारी, रवि साहू, पंकज तिवारी सहित अन्य शामिल थे। इधर खबर है कि शासन ने होली के दिन शराब की दुकान खोलने के फैसले को वापस ले लिया है। अब दुकानें नहीं खुलेंगी।

नशे में ड्राइविंग करने वालों पर पुलिस का शिकंजा, 2 महीने में 435 केस कोर्ट पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए यातायात पुलिस ने ड्रिंक एंड ड्राइव के खिलाफ सख्त अभियान छेड़ रखा है। जनवरी और फरवरी 2026 में कुल 435 मामलों में कार्रवाई कर प्रकरण न्यायालय भेजे गए हैं।

पुलिस के अनुसार जनवरी में 198 और फरवरी में 237 वाहन चालक नशे की हालत में गाड़ी चलाते पकड़े गए। इन सभी के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई करते हुए केस कोर्ट में प्रस्तुत किया गया। यह अभियान शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और दुर्ग-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर चलाया गया। राजेन्द्र प्रसाद चौक, गुरुद्वारा तिराहा नेहरू नगर, रेल चौक सेंट्रल एवेन्यू, बीएसएनएल चौक सेक्टर-1, सुपेला घड़ी चौक, पावर हाउस चौक और कुम्हारी टोल प्लाजा जैसे इलाकों में रात 8 बजे से मध्यरात्रि तक सघन जांच की गई। इंटरसेप्टर वाहन और ब्रीथ एनालाइज़र मशीन के जरिए लगातार जांच हो रही है। जरूरत पड़ने पर वाहनों को जब्त कर सीधे न्यायालय भेजा जा रहा है।

इंटरसेप्टर वाहन और ब्रीथ एनालाइज़र मशीन के जरिए की जा रही जांच

शासकीय आईटीआई में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम हुआ

दुर्ग। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा शासकीय आईटीआई पुलगांव में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों के पालन के लिए प्रेरित किया गया तथा लगभग 40 छात्र-छात्राओं को निःशुल्क हेलमेट वितरित किए गए। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को हेलमेट पहनने, कार चलाते समय सीट बेल्ट लगाने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, आपातकालीन वाहनों को रास्ता देने, वैध ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने एवं वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज पूर्ण रखने की अपील की गई, जिससे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर ही दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। कार्यक्रम में परिवहन विभाग के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी एसएल लकड़ा, परिवहन निरीक्षक अरूणा साहू, सुभाष बंजारे सांख्यिकी अधिकारी, लोकेश पाटिल सहित संस्था के प्रभारी प्राचार्य मिथलेस सोनखुटिया, प्रशिक्षण अधिकारी बी कुमार, ज्योति प्रसाद एवं पुष्पा देवांगन उपस्थित रहे।

सोमवार की सुबह दुर्ग में हुई बारिश, भिलाई में हल्की बूंदाबांदी

खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र, असर; ट्विनसिटी में हल्की बारिश, छाए रहेंगे बादल

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

रविवार की शाम को बदला मौसम सोमवार की सुबह भी बिगड़ा रहा। सुबह करीब 10 बजे अचानक बारिश शुरू हो गई। दुर्ग में करीब आधे घंटे पानी गिरा। इधर भिलाई में भी बूंदाबांदी हुई।

मौसम में आए अचानक बदलाव के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई।सोमवार को जिले का अधिकतम तापमान 31.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं रात का पारा 15.6 डिग्री रहा, जो समान्य से 1.6 डिग्री कम रहा। मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण बंगाल की खाड़ी में एक कम दबाव का क्षेत्र सक्रिय है। इसके उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने की संभावना है। इसके अलावा उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश से ओडिशा होते हुए एक द्रोणिका बनी हुई है। कर्नाटक से मराठवाड़ा तक भी एक सिस्टम सक्रिय है। इसकी वजह से आगामी दिनों में बारिश की संभावना बनी हुई है। सिस्टम के सक्रिय होने की वजह गुजरी ठंड और एकदम से गर्मी में बढ़ोत्तरी को माना जा रहा है। इधर मौसम की मार सब्जियों पर पड़ी है। सब्जियां तेजी से खराब होने लगे हैं। कीमतों में भी गिरावट आई है। आगे ऐसा ही मौसम रहा तो परेशानी बढ़ेगी।

दुर्ग व पाटन ब्लॉक में सब्जियों की फसल को सबसे ज्यादा नुकसान

आज से न्यूनतम तापमान में गिरावट

मौसम विभाग के मुताबिक 24 फरवरी से प्रदेश में न्यूनतम तापमान में अगले दो दिनों तक गिरावट होने का दौर प्रारंभ होने की संभावना है। न्यूनतम तापमान में गिरावट 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक हो सकती है। 22 फरवरी को एक-दो स्थानों पर अति हल्की से हल्की वर्षा होने की संभावना है। एक-दो स्थानों पर गरज चमक के साथ वज्रपात होने की संभावना है।अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 डिग्री और 20 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है।

दिनभर गर्मी और शाम को तापमान में गिरावट

पूरे दिन तापमान बढ़ने की वजह से गर्मी लगी। वहीं शाम 7 बजे के बाद तापमान 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक नीचे आ गया। जिसकी वजह से ठंड लगने लगी। रात में भी लोगों को ऐसे ही ठंड का सामना करना पड़ रहा है। इस तरह दिनभर गर्मी और शाम व रात को ठंड लगने से सेहत पर भी असर पड़ने लगा है। चिकित्सकों के मुताबिक मौसम में इस तरह के बदलाव से सेहत बिगड़ने लगी है। बदन दर्द ,बुखार जैसी समस्या लोगों को उठानी पड़ रही है।

सब्जियों की फसल को नुकसान

किसानों ने बताया कि मौसम में आए बदलाव की वजह से सब्जी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। मुख्य रुप से टमाटर, लौकी, पपीता, केला और भाजियों की फसल खराब हुई है।

महिला मोर्चा ने कांग्रेस का किया विरोध, जलाया पुतला

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष विभा अवस्थी के निर्देश पर जिला स्तर पर महिला मोर्चा द्वारा पुतला दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुतला दहन कार्यक्रम जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन के मार्गदर्शन एवं महिला मोर्चा अध्यक्ष स्वीटी कौशिक के नेतृत्व में कांग्रेस के विरोध में विशाल पुतला दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला मोर्चा पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अर्धनग्न होकर प्रदर्शन किया, जो अत्यंत निंदनीय है और सामाजिक मर्यादाओं के विपरीत है। पुरुषोत्तम देवांगन ने कहा कि भारतीय राजनीति में वर्षों तक शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी का चाल, चरित्र और चेहरा आज पूरी तरह से देश की जनता के सामने उजागर हो चुका है। महिला मोर्चा अध्यक्ष स्वीटी कौशिक ने में कहा कि लोकतंत्र में विरोध दर्ज कराने के कई संवैधानिक तरीके होते हैं, किंतु इस प्रकार का आचरण समाज में गलत संदेश देता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा एआई इफेक्ट समिति के खिलाफ किया गया प्रदर्शन गुमराह करने वाला था। प्रदर्शन के दौरान मनीष अग्रवाल, सुषमा जेठानी, मिथिला खिचरिया, गीता विश्वकर्मा, सरला आचार्य, स्वाति गुप्ता, प्रमिला दुबे, रश्मि साव, सुरेखा देशमुख, निहारिका सिंह, अनुपमा शुक्ला सहित अन्य मौजूद थे।

एआई समिट में हुए प्रदर्शन के विरोध में भाजपा ने राहुल का फूंका पुतला

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में युवा कांग्रेस द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन को लेकर भाजपा कार्यकर्ता भी खुलकर सामने आ गए हैं। भाजपा ने इस घटना को अमर्यादित एवं अभद्रतापूर्ण कृत्य बताया। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के नेतृत्व में यह प्रदर्शन किया गया। भाजपा कार्यालय से रैली के रूप में निकलकर तहसील चौक पर कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी का पुतला दहन किया गया। इस दौरान मुर्दाबाद के नारे लगाए गए। जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक और किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष रोहित राजपूत के नेतृत्व में यह प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर राजा महोबिया, दीपक चोपड़ा, कमलेश सिंह राजपूत, मनोज अग्रवाल, मनोज सोनी उपस्थित रहे।

- घटना को बताया अमर्यादित व अभद्रतापूर्ण कृत्य

निषाद समाज आरक्षण जैसे मुद्दों पर चलाएगा जन जागरुकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

छत्तीसगढ़ निषाद केवट समाज दुर्ग जिला संगठन अध्यक्ष डॉ घनश्याम निषाद के मार्गदर्शन में युवा, महिला प्रकोष्ठ की समीक्षा बैठक जिला कार्यालय पुलगांव में आयोजित की गई। जिला एवं प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा बिरेंद्र कुमार निषाद ने बताया बैठक में सभी दुर्ग जिला कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त पदाधिकारियों को स्वागत सम्मान किया गया तथा युवा प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों ने अपनी बात रखी। सभी ने एकमत से सामाजिक संदेश जन जागरूकता अभियान पुनः चलने पर सहमति जताई। बता दे यहां जन जागरूकता अभियान दूसरी बार जिला एवं परिक्षेत्र युवा प्रकोष्ठ द्वारा चलाई जाएगी। जिसमें प्रदेश संगठन सहित राजनीति से जुड़े हुए पदाधिकारी शामिल होंगे। कार्यक्रम दुर्ग जिला के अंतर्गत सभी 13 परिक्षेत्र के समाज के युवा, महिला, बुजुर्ग को सामाजिक शिक्षा, नशा मुक्त, धर्मांतरण, सामाजिक नियमावली, समाज के ज्वलंत मुद्दा आरक्षण व राजनीतिक भागीदारी, एवं समाज संगठन को मजबूत करने प्रत्येक रविवार को जिले के 60 से अधिक पंचगैहा क्षेत्रों में संचालित होगी। प्रथम बैठक दुर्ग शहर विधानसभा परिक्षेत्र से 1 मार्च से प्रारंभ होगी। बैठक में जिला एवं प्रदेश अंकेक्षक मल्लेश निषाद, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष संतोषी निषाद, युवा अध्यक्ष बिरेंद्र कुमार निषाद, उपाध्यक्ष भीम सिंह निषाद, वरुण निषाद, अंकेक्षक सियाराम निषाद, कोषाध्यक्ष विनोद निषाद, महिला सचिव सत्यभामा निषाद, हेमबती निषाद, कार्यकारिणी सदस्य अगराहिज निषाद, श्याम निषाद, सन्तानु निषाद, नरोत्तम निषाद, जेठूराम निषाद, लक्ष्मण निषाद, युगल निषाद आदि उपस्थित रहे।

- 1 मार्च से अभियान की होगी शुरुआत

न्यू प्रेस क्लब भिलाई का चुनाव, 1 मार्च को वोटिंग

भिलाई। न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई नगर के द्विवार्षिक चुनाव 2026-28 का कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। चुनाव समिति की बैठक में पूरी समय-सारिणी जारी की गई और सदस्यों से तय तिथियों में प्रक्रिया पूरी करने की अपील की गई है। 20 से 22 फरवरी तक रोज शाम 6 बजे से रात 8:30 बजे तक सदस्यता नवीनीकरण होगा। शुल्क 60 रुपये तय किया गया है। 22 फरवरी की रात 8:30 बजे के बाद नवीनीकरण मान्य नहीं होगा। 23 और 24 फरवरी को नामांकन फार्म वितरित किए जाएंगे। 25 फरवरी रात 8:30 बजे तक फार्म जमा करना अनिवार्य है। हर नामांकन के साथ तय शुल्क, दो प्रस्तावक और दो समर्थक जरूरी होंगे। 27 फरवरी रात 8:30 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। समतदान 1 मार्च को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक प्रेस क्लब भवन, नेहरू रोड, सुपेला में होगा। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव, कोषाध्यक्ष, सहसचिव, कार्यालय सचिव और कार्यकारिणी सदस्य पदों पर मतदान होगा।

शहीद कप में खुर्सीपार 11 ने दर्ज की जीत

भिलाई। खुर्सीपार में वीर शहीदों की अमर स्मृति में शहीद कप का आयोजन किया जा रहा है। पहले दिन सद्भावना मैच के रूप में खुर्सीपार 11 और प्रतिभा 11 महिला टीम के बीच मैंच खेला गया। इसमें

- शहीदों की स्मृति में शहीद कप का आयोजन

खुर्सीपार 11 ने जीत हासिल की। विजेता टीम को मुख्य अतिथियों स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुरुषोत्तम देवांगन (भाजपा जिला अध्यक्ष), स्वीटी कौशिक (महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष), लोकेश पाण्डेय, अभिषेक शर्मा व वार्ड पार्षद मनीष शर्मा उपस्थित रहे।

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार शरद शर्मा पिता राजू शर्मा, निवासी-रामसागर पारा रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा विक्रेता कौशल देवांगन पिता मोतीलाल देवांगन निवासी महादेव नगर, न्यू चंगोराभाठा रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के नाम, स्वामित्व व अधिपत्य की मौजा बटंग प.ह.नं. 07 रा.नि.मं. अमलेश्वर जिला दुर्ग (छ.ग.) मे कृषिभूमि खसरा नंबर 833/2, 889/4 रकबा 0.09 हे. 0.436 हे. भूमि मे से 5400 वर्गफुट भूमि है जिसको क्रय करने का पक्का सौदा किया गया है।

अतः सर्वसाधारण व्यक्ति विशेष, बैंक, अशासकीय व शासकीय संस्था, कंपनी एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि कोई भी उक्त संपत्ति का क्रय विक्रय, हक, हस्तांतरण व नामांतरण, दावा हो तो वे इस सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के अंदर समस्त दस्तावेज या आपत्ति मेरे कार्यालय मे प्रस्तुत करे तथा पावती प्राप्त कर लेवे, अन्यथा समयावधि पश्चात मेरे पक्षकार के द्वारा उपरोक्त सौदाशुदा संपत्ति के बैनामा की लिखा-पढ़ी की रजिस्ट्री उक्त वर्णित विक्रेता से करा ली जायेगी। जिसके बाद प्रस्तुत समस्त दावा या आपत्तियां झुठी मानी जावेगी तथा मेरे पक्षकार के उपर बंधनकारी या बाध्यकारी नहीं होंगा।

अतः सूचना जानें।

दिनांक-23/02/26

भवदीय- रामेश्वर मेश्राम (अधिवक्ता)
व्यवहार न्यायालय पाटन
जिला दुर्ग (छ.ग.)
मो.- 8871668872

न्यायालय तहसीलदार बोरी, जिला दुर्ग (छ.ग.)

// ईश्तहार//

प्र०क्र0-202602102700014/अ-74/ वर्ष 2025-26

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक मानसिंग देवांगन आत्मज स्व.दौवाराम, निवासी- ग्राम बोरी, तहसील बोरी, जिला दुर्ग (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय के समक्ष आवेदन पेश किया गया है कि ग्राम बोरीबुजुर्ग, प०ह०नं.- 04, तहसील बोरी स्थित भूमि खसरा नंबर 190, 239 रकबा क्रमशः 0.13, 0.31 हे. कुल खसरा नंबर-02 कुल रकबा 0.44 हे. जोकि आवेदक के नाम पर भूमिस्वामी हक में दर्ज है। उक्त भूमि के मूल ऋण पुस्तिका गुम हो जाने पर डुप्लीकेट ऋण पुस्तिका प्रदाय किये जाने बाबत आवेदन पत्र गय बैंक चालान, नक्शा, खसरा एवं बी-1 की नकल, नोड़युज, पुलिस रिपोर्ट की कापी, आधारकार्ड, तलवाना सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, जोकि इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः आवेदक के नाम पर द्वितीय प्रति ऋणपुस्तिका प्रदाय किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या दावा हो तो वे स्वयं अथवा अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ सुनवाई तिथि 02.03.2026 को या उसके पूर्व उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 16.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

तहसीलदार
बोरी
जिला-दुर्ग (छ.ग.)

आम सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि हम अपने पक्षकारगण शांति लाल जैन आ. स्व. हेमचंद एवं दिनेश कुमार टावरी आ. स्व. बालकिशन टावरी की ओर से अधिकृत होकर एवं उनके बताये गये अनुसार आम सूचना प्रकाशित करते है कि भूमिस्वामी सिद्धार्थ वर्मा आ. अशोक वर्मा निवासी-मालवीय नगर, दुर्ग तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.) के शामिलात खाते के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूखण्ड जो वाके मौजा मोतीलाल नेहरू नगर पूर्व भिलाई में भूखण्ड नं.- 04 एवं 05 06 एवं 07 कुल क्षेत्रफल -10313 वर्गफीट भूखण्ड स्थित है जिसे सिद्धार्थ वर्मा आ. अशोक वर्मा के माध्यम से खरीदने का पक्का सौदा तय कर ब्याना राशि प्रदान कर इकरारनामा निष्पादित किया गया है केवल पंजीयन निष्पादन कराना बाकी है जिसका पंजीयन 31/03/2026 तक क्रेता द्वारा अपने पक्ष में करा लिया जावेगा उक्त भूखण्ड मेरे पक्षकारगण की इकरारशुदा भूखण्ड है जिसका क्रय विक्रय करने का सौदा कोई भी अन्य व्यक्ति, संस्था, साहूकार या अन्य क्रय विक्रय या इकरारनामा ना करें इसके पश्चात भी यदि कोई सौदा इकरार करते है तो उसके जिम्मेदार स्वयं होंगे मेरे पक्षकारगण द्वारा निर्धारित समयावधि के भीतर बयनामा की कार्यवाही कर ली जावेगी।

सो सूचना जाने

स्थान- दुर्ग
दिनांक-23/02/2026

भवदीय
गैंदलाल यादव/डी.आर.यादव (अधिवक्ता)
ओम् सांई नमन् एसो.
जीवन प्लाजा काम्पलेक्स शॉप नं.17 जी.ई.
रोड़ गंजपारा दुर्ग (छ.ग.)
मो. नं. 9827108870, मो. नं. 9300604651

गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं, महापौर ने दिए निर्देश

18 माह में तैयार होगा नालंदा परिसर

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

मालवीय नगर स्थित नालंदा परिसर का महापौर अलका बाघमार ने लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चंद्रकार, सहायक अभियंता राजेन्द्र धाबाले, उप अभियंता हरिशंकर साहू के साथ निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान स्थल पर मौजूद अधिकारियों और इंजीनियरों से कार्य की वर्तमान स्थिति, तकनीकी गुणवत्ता, लागत तथा निर्धारित समय-सीमा को लेकर विस्तार से जानकारी ली गई।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या मानकों से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नियमित मॉनिटरिंग कर कार्य की प्रगति सुनिश्चित की जाए और निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखा जाए। महापौर ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि नालंदा परिसर का निर्माण कार्य आगामी 18 माह के भीतर हर हाल में पूर्ण किया जाए।

- मालवीय नगर स्थित नालंदा परिसर का निरीक्षण

देरी पर संबंधित अधिकारी होंगे जवाबदार

समय-सीमा में देरी होने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। विकास कार्यों में पारदर्शिता और गति दोनों आवश्यक हैं। श्रीमती बाघमार ने कहा कि नालंदा परिसर शहर के विद्यार्थियों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए एक आधुनिक एवं सुव्यवस्थित अध्ययन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह परिसर शिक्षा के क्षेत्र में दुर्ग शहर को नई पहचान देगा। नगर निगम का लक्ष्य है कि युवाओं को बेहतर शैक्षणिक वातावरण और आवश्यक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हों। निरीक्षण के दौरान निगम के संबंधित अधिकारी, इंजीनियर व ठेकेदार एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

केन्द्रीय चिकित्सा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बने दिनेश

धमधा। केंद्रीय दुबेलिया तेली (साहू) समाज की बैठक रविवार को ग्राम श्यामपुर में रखा गया जिसमें समाज के उत्थान के लिए पुनः संस्कृत शिक्षा प्रकोष्ठ की नियुक्ति किया गया। जिनके अध्यक्ष डंगनिया निवासी धमधा विकासखण्ड के सुन्दर लाल साहू को बनाया गया एवं डॉ0 दिनेश साहू धमधा निवासी को केन्द्रीय चिकित्सा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बनाया गया। स्वजाति बंधुओं बधाई शुभकामनाएं भी दिये।

निधन

मुखरन बन्सोड़

भिलाई। 30 बी, सड़क-3, सेक्टर 2, भिलाई निवासी मुखरन बन्सोड़ 71 वर्ष का निधन हो गया है। वे किशन बन्सोड़ की पत्नी एवं स्व. मनीष बन्सोड़ एवं विनय बन्सोड़ की मां थीं।

चंद्रनाहु कुर्मी क्षत्रिय समाज का वार्षिक अधिवेशन व शिवाजी महाराज की मनाई जयंती

शिवाजी की वीरता, साहस व राष्ट्रभक्ति की भावना हमें अपने देश के लिए कुछ करने की प्रेरणा देती है : ललित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई/अंडा

प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, उन्नतशील कृषकों, सफल व्यवसायियों व वरिष्ठ नागरिकों का किया सम्मान

चंद्रनाहु कुर्मी क्षत्रिय समाज, उपक्षेत्र अण्डा के वार्षिक अधिवेशन एवं छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर सम्मिलित हुए। छत्रपति शिवाजी महाराज के तैल चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर विधिवत पूजा-अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, उन्नतशील कृषकों, सफल व्यवसायियों एवं वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान कर उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की गई। यह आयोजन सामाजिक एकता, गौरवशाली परंपराओं एवं प्रेरणादायी व्यक्तित्वों के आदर्शों को आत्मसात करने का सशक्त माध्यम बना। मुख्य अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन और उनके आदर्श हमें हमेशा प्रेरित करते रहेंगे। उनकी वीरता, साहस और राष्ट्रभक्ति की भावना हमें अपने देश के लिए कुछ करने की प्रेरणा देती है। चंद्रनाहु कुर्मी क्षत्रिय समाज का यह आयोजन समाज के लोगों को एकजुट करने और उनकी उपलब्धियों को सम्मानित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। मैं इस अवसर पर समाज के सभी लोगों को बधाई देता हूं और उनके उज्वल भविष्य की कामना करता हूं। समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं, उन्नतशील कृषकों, सफल व्यवसायियों एवं वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित करना एक सराहनीय कदम है, जो समाज के विकास में उनके योगदान को मान्यता देता है। कार्यक्रम में अध्यक्ष दीनानाथ चंद्राकर, उपाध्यक्ष अमित चंद्राकर, सचिव राजेन्द्र चंद्राकर, कोषाध्यक्ष छत्रपाल चंद्राकर, आनंद चंद्राकर, शिव चंद्राकर, अमित चंद्राकर, तारकेश्वर चंद्राकर, ईश्वर चंद्राकर, डॉ. गोविन्द चंद्राकर, सेवक चंद्राकर, राजेश चंद्राकर, नकुल चंद्राकर, लोकमानी चंद्राकर, संजय चंद्राकर, त्रेता चंद्राकर, गोलू चंद्राकर, जनप्रतिनिधि सरपंच दिग्विजय सिन्हा, जिला पंचायत सदस्य आशा मिश्रा, जनपद सदस्य अजीत चंद्राकर, जनपद सभापति लोमस चंद्राकर, सोसाइटी अध्यक्ष पुकेश चंद्राकर, पूर्व जिला पंचायत सदस्य योगिता चंद्राकर, यशवंत चंद्राकर सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

अंचल की खबरें

व्यायाम से बेहतर होता है हेल्थ, सुबह 30 मिनट खुद को दें

भिलाई। पदुमनगर क्षेत्र के युवाओं एवं नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से माई फिटनेस का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि खादी ग्रामोद्योग के अध्यक्ष राकेश पांडेय थे। अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जिला कार्यवाह सुनील पटेल ने की। राकेश पांडेय ने कहा कि समय में स्वास्थ्य ही सबसे बड़ी पूंजी है। नियमित व्यायाम और अनुशासित जीवनशैली से ही स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा जिस विभाग का मुझे दायित्व है, उसमें जिम खोलने के लिए सहायता की जाती है। मुझे दूसरी बार जिम का उद्घाटन करने का अवसर मिला है। सुनील पटेल जी ने कहा कि शारीरिक, मानसिक और नैतिक विकास के माध्यम से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण होता है। साथ यह बताया कि फिटनेस के प्रति जागरूकता आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। भारत माता की सेवा के लिए जिम जरूरी है। जैसे कि भगत सिंह को जब अंग्रेजों के द्वारा फांसी दी जानी थी तो उससे पूर्व जेल के अंदर खूब कसरत (जिम) किया था, तब अन्य कैदियों ने पूछा था कि जब तुम्हें फांसी होनी हो है तो कसरत क्यों कर रहे हो तब भगत सिंह ने कहा था जन मेरा दुबारा जन्म हो तो मैं बलिष्ठ पैदा होऊं ताकि फिर से भारत मां के काम आ सकूं। इस अवसर पर प्रेम लाल साहू, पुष्पा जेठानी, प्रेमलता चंद्राकर, विनोद देवांगन सहित अन्य मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा भिलाई-3 मंडल के उपाध्यक्ष रवि नाहर ने किया। आभार प्रदर्शन जिम के संचालक टिकेंद्र साहू (टीकू) ने किया।

रासेयो शिविर में दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

अंडा। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई, बीआईटी दुर्ग की ओर से भानपुरी ग्राम में विशेष शिविर लगाया गया है।यहां सांस्कृतिक उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गाँव के बच्चों एवं एनएसएस के स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और गीत, नृत्य तथा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर सभी का मन मोह लिया। स्वयंसेवकों और बच्चों ने मिलकर पूरे उत्साह और सहयोग की भावना के साथ कार्यक्रम को सफल बनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ललित चंद्राकर – विधायक, दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र, उपाध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण विकास एवं अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग थे। वहीं लोमश चंद्राकर सभापति, जनपद दुर्ग , उमेंदी ठाकुर सरपंच, भानपुरी , महेश साहू पूर्व प्राचार्य, प्राथमिक शाला , डॉ. डी.एस. रघुवंशी, कार्यक्रम समन्वयक, सी.एस.वी.टी.यू. भिलाई , विजय यादव और मुकेश चंद्रकर भी उपस्थित रहे। पुरस्कार वितरण समारोह में स्वच्छ आवास योजना के विजेताओं, रंगोली प्रतियोगिता के विजेताओं तथा विद्यालय में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिता , कक्षा 1 से 8 तक उच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शबाना नाज़ सिद्दीकी एवं अभिजीत लाल के मार्गदर्शन में किया गया। शिविर को संस्थान के प्राचार्य डॉ. एस. के. जायसवाल का विशेष मार्गदर्शन एवं सहयोग प्राप्त हुआ।

शासकीय भूमि पर अवैध सड़क निर्माण, विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

नगर पालिका परिषद अमलेश्वर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खुड़मुड़ा, वार्ड क्रमांक 7 में शासकीय भूमि पर अवैध रूप से सड़क निर्माण किए जाने को लेकर ग्राम विकास समिति खुड़मुड़ा एवं वार्ड पार्षदों ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इस संबंध में समिति द्वारा नगर पालिका परिषद अमलेश्वर के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को लिखित आवेदन सौंपा गया है।

ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष रामकुमार सोनकर ने बताया कि ग्राम खुड़मुड़ा स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 781 पर बिना किसी वैधानिक अनुमति के सड़क निर्माण कराया जा रहा है। यह निर्माण नियमों के विरुद्ध है और शासकीय संपत्ति पर अतिक्रमण की श्रेणी में आता है। इस मामले को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष दयानंद सोनकर, वार्ड पार्षद ललिता कुमार साहू, दीपक घिघोड़े, भेज लाल सोनकर, खुबीराम सोनकर ने भी प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। पार्षदों ने कहा कि शासकीय भूमि पर अवैध निर्माण से शासन को आर्थिक नुकसान हो रहा है तथा इससे ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। अध्यक्ष सोनकर एवं पार्षदों ने संयुक्त रूप से मांग की है कि अवैध सड़क निर्माण कार्य पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा संबंधित व्यक्ति द्वारा किया गया अतिक्रमण शीघ्र हटाया जाए, ताकि शासकीय भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उक्त जानकारी मीडिया को जिम्मेदार पार्षद खूबीराम सोनकर ने शेयर किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमलेश्वर क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग जोरो पर है लेकिन अधिकारी कार्यवाही करने भूल गए हैं और जमीन दलाल धीरे-धीरे सक्रिय हो रहे हैं। भोले-भाले किसानों को अपनी झांसा में ले रहे हैं। सबसे ज्यादा प्लाटिंग छोटे-छोटे टुकड़ों में अमलेश्वर और पाटन में चल रही है।

राशन दुकानों के तौल में हो रही गड़बड़ी, अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पाटन

जनपद पंचायत पाटन की ग्राम पंचायत घुघुवा (ज) में शासकीय राशन दुकान पर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि दुकान संचालक द्वारा हितग्राहियों के राशन में लगातार कांटा मारा जा रहा है।

- **ग्राम पंचायत घुघुवा (ज) में शासकीय राशन दुकान पर गंभीर अनियमितताओं का लगाया आरोप**

ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार शिकायत के बावजूद प्रशासन अब तक मौन है।

ग्रामीणों ने बताया कि 20 फरवरी को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित चावल उत्सव के दिन भी घुघुवा (ज) की राशन दुकान बंद रही। ग्राम पंचायत की सरपंच ने दुकान संचालक पर आरोप लगाते हुए कहा कि कार्डधारियों को निर्धारित मात्रा से एक से डेढ़ किलो तक कम चावल दिया जा रहा है। लगातार शिकायत लेकर कार्डधारी पंचायत पहुंच रहे हैं। वहीं 23 फरवरी को एक बार फिर तौल में गड़बड़ी सामने आने पर हितग्राहियों ने राशन लेने से इनकार कर विरोध प्रदर्शन किया। राशन कार्डधारियों ने मीडिया को बताया कि दुकान संचालक समय पर राशन वितरण नहीं करता। कई महीनों से शक्कर नहीं मिली है, जबकि त्योहारों के समय कुछ लोगों को शक्कर दी जा रही है और कुछ को नहीं। पिछले दो-तीन महीनों का शक्कर वितरण पूरी तरह प्रभावित रहा है। वहीं राशन दुकान के वितरक कांटा में टेक्निकल फाल्ट की दुहाई दे रहा है। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि कभी भी एक साथ चावल, शक्कर और नमक का वितरण नहीं किया जाता, जिससे उन्हें बार-बार दुकान के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इससे ग्रामवासी परेशान हैं और उन्होंने प्रशासन से स्थानीय स्तर पर दुकान संचालन की व्यवस्था करने की मांग की है। मौके पर ग्राम पंचायत सरपंच लता अनुज सोनकर, उप सरपंच सोनू राम सोनकर, रानू केशरवानी, दिनेश कुमार, गिरधर, मंजू, कामिन यादव, गौतम, पुनाराद, बसंती बाई, मीना, माहेश्वरी, जमुना, गायत्री, चंद्रिका सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

बिजनेस साइट

ओम ज्वेलर्स में आकर्षक उपहार व डिस्काउंट

भिलाई। इंदिरा मार्केट दुर्ग, शॉप नंबर 64बी, प्रिया श्रृंगार सदन के सामने अपने भव्य शोरूम रेड एंड व्हाइट कलर के लिए जाना-माना सुप्रसिद्ध शॉप ओम ज्वेलर्स में विशेष डिस्काउंट एवं विशेष छूट अपने सभी कस्टमर को दिया जा रहा है। जहां आपको एडवांस बुकिंग करने पर तत्काल जितना ग्राम सोना उतना ग्राम चांदी फ्री एवं शादी के गहनो की शॉपिंग पर डिस्काउंट के साथ इंपोर्टेड वॉच एवं इंपोर्टेड टूरिस्ट बैग हैंड बैग तत्काल प्रदान की जाती है। श्री ओम ज्वेलर्स के संचालक सोनी ने बताया कि हमारी शॉप में टोटल हॉलमार्क गहने जिसमे 6 अंकों का huid कोड ही जेवर उपलब्ध होती है जो 100% विश्वनीयता पर खरा रहती है ।100% वापसी के साथ दिया जाता है वापसी करने पर काट छाट नहीं होती। पूरे क्षेत्र में सबसे कम मेकिंग चार्ज पर गहने प्रदान की जाती है। हमारी शॉप में कम कीमत से अधिक कीमत के गहने उपलब्ध हैं। जहां सोने का हार चोकर नेकलेस 5 ग्राम से स्टार्ट है सोने की अंगूठी, झुमका, ऐयरिंग, डबल कुंडा, फैंसी लॉकेट, मंगलसूत्र, टॉप्स 2 ग्राम से शुरू है। हमारे शॉप में 916 हॉलमार्क 833 हॉलमार्क 750 हॉलमार्क के गहने उपलब्ध हैं एवं चांदी में डायमंड सेट हार सेट 925 के सिल्वर बैंकॉक के इंपोर्टेंट वॉच न्यू डिजाइन उपलब्ध है। साथ ही पायलों की विस्तृत रेंज जैसे नई वैरायटी के करधन, पायल, बैंगल्स, हाथ फूल, बिछिया, चैन, लॉकेट की एक से बढ़कर एक वैरायटी उपलब्ध है। हमारे शॉप में टोटल ओपन डिस्प्ले होने की वजह से मनपसंद गहने खरीदने में सुविधा होती है। सभी प्रकार के चेक ऑल एटीएम एवं क्रेडिट कार्ड डेबिट कार्ड एक्सेप्ट की सुविधा प्रदान की जाती है साथ ही ख़रीदे गये ज़ेवर की घर पहुंच पेमेंट की सुविधा उपलब्ध है व किसी भी गहने की तत्काल रिपेरिंग सुविधा है।

छात्रों ने सीखा एनईईटी व जेईई क्रैक करने का मंत्र

भिलाई। जिला गोल इंस्टीट्यूट के रिसाली सेंटर जीनियस कैम्पस में नीट व जेईई 2026 को कैसे क्रैक करें इस पर मेगा मोटिवेशनल सेमिनार छात्रों को दिया गया जिनमें गोल के एल्यूमिनी, माजिद रजा, केदारनाथ, गोल के शिक्षक - सुरेश सर, नागोरी सर, भविनय सर, डेविड सर, गिरिश सर, वेद प्रकाश सर, दुर्गेश सर, बिन्दू सर, डॉ. इकार सर ने अपना-अपना सफलता की टिप्स दिये उन्होंने छात्र-छात्राओं की उपस्थिति को देखकर यह स्पष्ट बताने की कोशिस की गोल के छात्र अब अपने सपनों को साकार करने के लिए पूरी तरह संकल्पित है, यहाँ के छात्रों का उर्जा, उम्मीद और लक्ष्य के प्रति अटूट विश्वात देखने को मिला। आज का उन्होंने यह सेमिनार छात्रों के लिए केवल मार्गदर्शन कार्यक्रम नही, बल्कि जीवन की दिशा तय करने वाला प्रेरणा पर्व की तरह देखने को मिला, गोल के छात्र के डायरेक्टर श्री रंजीत कुमार ने बताया कि NEET और JEE की तैयारी केवल किताबों से नही बल्कि यह मानसिक मजबूती, निरंतर अभ्यास और सही रणनीति का परिणाम है, गोल का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ पढ़ाना नहीं बल्कि उन्हें आत्मविश्वास और मार्गदर्शन सही हो तो सफलता निश्चित है, हर छात्र के पीछे उसके माता-पिता के सपने और त्याग जुड़े होते हैं, अंत में उन्होंने बताया कि नये सत्र के छात्रों के लिए विशेष रूप से अभी बोर्ड एग्जाम के छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए क्लास की से 12वीं वं ड्रापर बैच में प्रवेश प्रारम्भ हो गया है, यह सूचना भी उन्होंने दी ।

एमजीएम स्कूल में मूल्यांकन व आकलन विषय पर हुई कार्यशाला

भिलाई। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के तत्वावधान में एमजीएम पब्लिक स्कूल शांति नगर भिलाई में विगत दिनों मूल्यांकन एवं आकलन प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करना विषय पर दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सीबीपी) का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कक्षा शिक्षण में दक्षता आधारित मूल्यांकन तथा प्रभावी आकलन पद्धतियों के क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों की व्यावसायिक दक्षताओं को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम के संसाधन व्यक्ति आरएस पांडेय एवं शिक्षा शर्मा रहे। प्रशिक्षण सत्र सीबीएसई के दिशा-निर्देशों के अनुरूप आधुनिक मूल्यांकन पद्धतियों पर केंद्रित रहा, जिसमें दक्षता आधारित प्रश्न निर्माण, सतत एवं समग्र आकलन तकनीकें तथा विद्यार्थियों में आलोचनात्मक चिंतन और अवधारणात्मक समझ को प्रोत्साहित करने की रणनीतियों पर विशेष बल दिया गया। सक्रिय चर्चाओं और सामूहिक गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों ने मूल्यांकन उपकरणों के निर्माण, रूपरेखा तैयार करने तथा कक्षा मूल्यांकन में अनुभवात्मक अधिगम को समाहित करने के व्यावहारिक पहलुओं को समझा। कार्यक्रम में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि मूल्यांकन केवल परीक्षा परिणाम तक सीमित न होकर एक सतत प्रक्रिया हो, जो सार्थक अधिगम को बढ़ावा दे। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय की प्राचार्या एंसी वर्गीस के नेतृत्व में किया गया।

समुंत महाराज की मनाई जयंती

जामुल। दुर्ग जिला ग्रामीण महासंघ सूत सारथी समाज जामुल के तत्वावधान में नगर पालिका जामुल वार्ड 10 सुभाष नगर जामुल में सुमंत महराज की जयंती महासंघ सूत सारथी समाज दुर्ग ग्रामीण जिलाध्यक्ष अनिल सारथी के नेतृत्व में रविवार को धूमधाम से मनाया गया। अतिथियों द्वारा सुमंत्र महाराज के तेलचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा अर्चना कर कार्यक्रम की शुभारंभ किया गया। अध्यक्षता नगर पालिका परिषद जामुल अध्यक्ष ईश्वर सिंह ठाकुर व अति विशिष्ठ अतिथि रायपुर संभाग भाजपा किसान मोर्चा प्रभारी रेखराम बंछोर एवं विशिष्ठ अतिथि पार्षद रामप्यारी वर्मा, चंद्र प्रकाश मंडल, प्रशांत बंटी गुप्ता, ओम प्रकाश साहू थे। ठाकुर ने कहा कि समाज की एकता और परंपरा एवं संरक्षण पर विशेष बल दिया। मांडले ने कहा कि सारथी समाज की पौराणिक कथा का उल्लेख करते हुए समाज की प्रगति व सारथी समाज की महत्ता के बारे में चर्चा करते हुए मांडले ने समाज के लोगों से कहा कि समाज के लिए हमेशा संघर्ष करते रहना चाहिए। अतिथियों ने बंछोर व वर्मा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर सारथी समाज के दुर्ग जिला ग्रामीण अध्यक्ष अनिल सारथी, रवि शंकर सारथी, यशवंत सारथी संतोषी सारथी, आसाराम आदि मौजूद थे।

शिवाजी महाराज केवल इतिहास नहीं, राष्ट्र चेतना हैं : कीर्ति

सेलूद। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी समाज ग्राम इकाई देव बलोदा एवं युवा कुर्मी मित्र मंडल के संयुक्त तत्वावधान में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती श्रद्धा, उत्साह और गरिमा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन बाजार चौक, देव बलोदा में किया गया। इस अवसर पर शिवाजी महाराज के तैलचित्र पर माल्यार्पण एवं विधिवत पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम में उनके शौर्य, नेतृत्व, सुशासन, सामाजिक समरसता तथा राष्ट्र के प्रति समर्पण जैसे गुणों पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि शिवाजी महाराज का जीवन आज भी समाज और युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

महाकाल इलेवन चरोदा बना विजेता

भिलाई। पावर क्रिकेट क्लब ग्राउंड भिलाई 3 द्वारा आयोजित रात्रि कालीन टेनिस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन हुआ। इस दौरान महाकाल वॉरियर्स चरोदा ने मैच में जीत हासिल किया। टीम ने 10 ओवर में 94 रन बनाए इस विशाल स्कोर को पीछा करते हुए महाकाल इलेवन चरोदा ने 9 ओवर 3 बाल में धुंआधार बल्लेबाजी किया। 98 रन स्कोर बना कर जीत हासिल की। विजेता बनकर 50 हजार रुपए नगद एवं प्रतीक चिन्ह लेकर मैच की शुरुआत की। 4 ओवर में ही महाकाल के 5 विकेट गिर गए थे। तब अक्षय विश्वकर्मा ने चौक- छक्कों लगाकर मैच को विजय तक पहुंचाया। मैंन ऑफ द मैच अक्षय को मिला। उप विजेता को 25 हजार रुपए नगद एवं प्रतीक चिन्ह दिया गया। अतिथि के रुप में सुरेश धीवर , सांसद प्रतिनिधि विपिन चंद्राकर , मंडल अध्यक्ष वरुण यादव , पार्षद तुलसी ध्रुव समेत आयोजन समिति के अध्यक्ष अनिल साहू , पालेश्वर पटेल, पी हरि नाथ , बी श्रीनिवास, मनीष दास, लक्ष्मण राव, पुरुषोत्तम वर्मा, युवराज पटेल,लेखराज निषाद, निशांत सागर, कन्हैया सिंग मौजूद थे।

राम सूर्यवंशी को महामंत्री की जिम्मेदारी

भिलाई। जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण की कार्यकारिणी में उरला भिलाई तीन निवासी राम कुमार सूर्यवंशी को महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी से अनुमोदन के बाद जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग ग्रामीण अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा किया। कार्यकारिणी में पूर्व पार्षद राम कुमार सूर्यवंशी को दायत्वि मिलने पर संगठन समेत पूर्व सीएम भूपेश बघेल समेत अन्य कांगरेसी नेताओं का आभार माना है।

कंकड़ को शंकर मानकर पूजा यही सच्चा धर्म : राजीव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंडा

श्री विष्णु महायज्ञ ओटेबंद में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के द्वितीय दिवस पर सोमवार पूज्य संत श्री राजीव नयन महाराज ने अपनी ओजस्वी वाणी से भक्तों को गहरी आध्यात्मिक शिक्षा दी। महाराज श्री ने अपने प्रवचन में बताया कि अंत से अनंत की यात्रा को आध्यात्म कहते हैं और यह यात्रा जीवन के सत्य और परमात्मा तक पहुंचने का मार्ग है। प्रवचन में संत श्री राजीव नयन ने कहा कि कलियुग में अगर शांति पाना है तो श्रीमद् भागवत के वाणियों को अपने जीवन में धारण करना चाहिए। भागवत के तत्वों को अपनाकर जीवन में सुख, शांति और संतोष पाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि मनुष्य को अपने उद्देश्य पर संतुलन बनाए रखना चाहिए, क्योंकि तभी हर कार्य संभव हो सकता है। संत ने भारतीय संस्कृति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कंकर को भी शंकर मानकर पूजा यही सच्चा मानव धर्म है। इसी संदर्भ में उन्होंने शिव जी की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि शिव की जिव्हा से दो गंगाओं का प्रकट्य हुआ। एक भागीरथी और दूसरा भागवत। भागीरथी के पास जाना पड़ता है, लेकिन भागवत गंगा स्वयं आपके द्वार तक आती है, आपका उद्धार करने। उन्होंने भागवत कथा को रसमालयम (रस का घर) कहा और इसका महत्व बताते हुए कहा कि यह जीवन के हर क्षेत्र में सच्चे ज्ञान और भक्ति का स्रोत है। भागवत कथा के माध्यम से इंसान को परमात्मा के दर्शन होते हैं और जीवन में शांति व संतुलन मिलता है।

संत श्री के इन प्रेरक शब्दों से कथा स्थल पर उपस्थित श्रद्धालुओं में गहरी श्रद्धा और भक्ति का संचार हुआ। हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने इस अवसर का लाभ उठाया और भागवत कथा के रस में गोते लगाए। कथा स्थल पर भजन-कीर्तन भी चलता रहा, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्ति से अद्भुत हो गया।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल मुरमुंदा, तहसील अहिवारा, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

आम सूचना-सीमांकन बाबत

विषय – सूचना सीमांकन बाबत।

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि न्यायालय नायब तहसीलदार अहिवारा राजस्व प्रकरण क्रमांक Q आदेश दिनांक 13/02/2026 के आदेशानुसार आवेदक श्री धरमवीर पिता जयंतीलाल ग्राम अकोला प.ह.नं. 13 राजस्व निरीक्षक मंडल मुरमुंदा तहसील अहिवारा जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1169, 1126, 1168 रकबा. 0.20, 0.22, 0.40 हे. भूमि का सीमांकन दिनांक 02/03/2026 को पूर्वान्ह 12 से 5 बजे स्थल पर किया जाना है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति उक्त खसरा नंबर पर प्रत्यक्ष हित रखते हो तो अपने स्वत्वअर्जन के दस्तावेज नक्शा, खसरा, लेआउट रजिस्ट्री का प्रतिलिपि सहित मौका पर उपस्थित होकर दावा आपत्ति पेश कर सकते हैं, तत्पश्चात आपत्ति मान्य नहीं होगी।

राजस्व निरीक्षक
मुरमुंदा

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल मुरमुंदा, तहसील अहिवारा, जिला दुर्ग (छ.ग.)

आम सूचना - सीमांकन बाबत्

विषय- सूचना सीमांकन बाबत्।

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नायब तहसीलदार अहिवारा राजस्व प्रकरण क्रमांक Q / / आदेश दिनांक 08.12.2025 के आदेशानुसार आवेदक श्री रघुनाथ पिता अमृतलाल ग्राम अकोला प.ह.नं. 13 राजस्व निरीक्षक मंडल मुरमुंदा तहसील अहिवारा जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1213, 1131 रकबा 0.75, 0.17 हेक्टेयर भूमि का सीमांकन 02.03.2026 को अपरान्ह 12 से 5 बजे स्थल पर किया जाना है। अतः जिस किसी भी व्यक्ति उक्त खसरा नंबर पर प्रत्यक्ष हित रखते हो तो अपने स्वत्वअर्जन के दस्तावेज नक्शा, खसरा, लेआउट तथा रजिस्ट्री की प्रतिलिपि सहित मौका पर उपस्थित होकर दावा आपत्ति पेश कर सकते है, तद्पश्चात आपत्ति मान्य नहीं होगी।

राजस्व निरीक्षक, मुरमुंदा

टाउनशिप में बीएसपी के दो ऑडिटोरियम उपेक्षित पड़े, कहां करें नाट्य व सामाजिक आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

नेहरु सांस्कृतिक सदन दो साल से बंद, थम गईं रंगमंचीय गतिविधियां

टाउनशिप में बीएसपी के दो बड़े आडिटोरियम दो साल से बंद पड़े होने का खामियाजा नाट्य और सांस्कृतिक सांस्कृतिक संगठनों को भुगतना पड़ रहा है। सेक्टर 1 नेहरु सांस्कृतिक सदन और ओपन एयर थिएटर सिविक सेंटर के बंद होने से रंगमंचीय ओर अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों थम गई हैं। आयोजनों के लिए कलाकारों को भटकना पड़ रहा है। इस मामले में नगर सेवाएं विभाग उदासीन बना हुआ है। कलाकारों ने प्रबंधन से दोनों भवनों का कायाकल्प जल्द करवाने की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि सेक्टर 1 स्थित नेहरु सांस्कृतिक भवन 50 साल पुराना है। इसका निर्माण बीएसपी द्वारा नाट्य आयोजनों और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए किया गया था। करीबन एक हजार सीटों की क्षमता का यह भव्य और प्रसिद्ध प्रेक्षागृह की पूरे प्रदेश में अपनी एक अलग पहचान रही। यहां स्थानीय रंगमंचीय संस्थाओं के नाट्य आयोजनों के साथ देश के मशहूर कलाकारों द्वारा भी वर्षों कई नाटकों का मंचन किया गया। इससे भिलाई के रंगमंच को राष्ट्रीय पहचान मिली। लेकिन इस भवन के जर्जर होने और बीएसपी द्वारा अब तक संधारण नहीं होने से शहर के नाट्य और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजनों को लेकर नाट्य व अन्य सांस्कृतक सामाजिक संगठनों भटकना पड़ रहा है। कलाकारों ने बताया कि बीएसपी द्वारा संधारण के नाम पर नेहरु हाउस को दो साल से बंद कर दिया गया है। न तो अब तक संधारण हुआ है और न ही इसका ताला ही खोला गया है। इसके चलते पिछले एक दो साल से रंगमंचीय गतिविधियां थम सी गई हैं वहीं कुछ नाट्य संगठनों को आयोजन स्कूल के हाल और अन्य छोटे सामाजिक भवन में करने मजबूर होना पड़ रहा है। 2 साल पूर्व तक नेहरु भवन में स्कूलों के वार्षिकोत्सव व भिलाई महिला समाज का स्थापना दिवस समारोह भी हर साल होता था।

रिवाल्विंग स्टेज पर होते थे मंचन

पिछले 50 साल के दौरान शहर के दर्जनभर से अधिक नाट्य संगठनों द्वारा मंचित नाटकों की चमक अब नगण्य हो गई है । रंगकर्मियों ने बताया कि पहले नेहरु हाउस से रिवाल्विंग स्टेज, व्यवस्थित साउंडप्रूफ सिस्टम व आटोमेटिक परदा आदि हटाकर मंच को ऊबड़-खाबड़ किया गया और इसके बाद पिछले दो साल से पूरे प्रेक्षागृह को ही बंद कर दिया गया है। बीएसपी द्वारा बहुभाषीय नाट्य प्रतियोगिता,इंटर कालेज ड्रामा काम्पीटिशन, मासिक नाट्य मंचन आदि आयोजन पिछले पांच साल से अधिक समय से बंद हो चुके हैं वहीं कलाकारो को बाहर भी अखिल भारतीय नाट्य व संगीत प्रतियोगिता में ही भेजा जा रहा है। इससे कलाकारों में निराशा और बीएसपी कर्मचारियों व परिवार भी स्वस्थ मनोरंजन से वंचित हो रहे हैं।

ओपन एयर थिएटर भी है सालों से जर्जर, होते थे कवि सम्मेलन

नेहरु हाउस की तरह 60 साल पुराना प्रसिद्ध सिविक सेंटर स्थित ओपन एयर थिएटर भी पिछले कई साल से जर्जर और उपेक्षित पड़े होने से यहां भी कोई आयोजन नहीं हो रहे हैं। इस भव्य खुले आडिटोरियम में दस साल पूर्व तक बीएसपी के अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, गणतंत्र दिवस पर आर्केस्ट्रा आदि कार्यक्रम हर साल होते थे। इसके अलावा यहां महाराष्ट्र मंडल का महाराष्ट्र दिवस समारोह सहित नाटक आदि भी होते थे। इनके अलावा यहां आम चुनाव के दौरान राष्ट्रीय राजनेताओं की सभाए भी होती थीं। वीपी सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी, राजीव गांधी की सभा यहां हो चुकी हैं। लेकिन ओपन एयर थिएटर के मंच, शेड, ग्रीन रुम दरवाजे और दर्शक दीर्घा जर्जर व कचरे से पटे होने से सांस्कृतिक, सामाजिक व राजनीतिक कार्यक्रम आदि आयोजन नहीं हो पा रहे हैं।

खबर संक्षेप

आयुक्त ने किया से. 6 क्षेत्र का औचक निरीक्षण

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने शुक्रवार को जोन-5 अंतर्गत विभिन्न सार्वजनिक स्थलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यात्री प्रतिक्षालय, उद्यान और टेनिस कोर्ट की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को साफ-सफाई कार्य प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। एमजीएम स्कूल के समीप स्थित यात्री प्रतिक्षालय के निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने पाया कि यात्रियों के बैठने के लिए लगाई गई कुर्सियां क्षतिग्रस्त हैं। उन्होंने इसे तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए ताकि यात्रियों को असुविधा न हो। सेक्टर-6 बम्लेश्वरी मंदिर के पास स्थित उद्यान का अवलोकन करते हुए उन्होंने बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नागरिकों के टहलने और बैठने के लिए वातावरण स्वच्छ होना चाहिए। समीपस्थ टेनिस कोर्ट का जायजा लेते हुए आयुक्त ने खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की और व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता प्रिया करसे, सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, जोन स्वास्थ्य अधिकारी सागर दुबे एवं स्वच्छता निरीक्षक सूर्या, सुपरवाइजर मनीष चौधरी, वेंकट सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीटू ने ड्यूटी के समय मूवमेंट बंद रखे जाने कार्यपालक निदेशक से की मांग

बीएसपी में लोको और ट्रकों के आवागमन के बीच कर्मचारी बायोमेट्रिक से लगाते हैं अटेंडेंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

कर्मचारियों को दुर्घटना का बना रहता है खतरा, ट्रकों की भी होती है आवाजाही

भिलाई इस्पात संयंत्र के अंदर विभिन्न शिफ्टों में ड्यूटी आने जाने के दौरान ट्रक और लोको का आवागमन कर्मचारियों के लिए परेशानियों का कारण बना हुआ है। उन्हें जल्दबाजी में बायो अटेंडेंस के समय सुरक्षा की चिंता बनी रहती है। हिंदुस्तान स्टील एम्पलाइज यूनियन सीटू ने भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन से ड्यूटी शुरू होते और खत्म होते समय संयंत्र के अंदर ड्यूटी आने जाने वाले सड़कों पर लोको मूवमेंट और ट्रक मूवमेंट को निर्धारित समय के लिए बंद किया जाने की मांग की है। इससे संयंत्र में कार्यरत स्थाई और ठेका कर्मी सुरक्षित रूप से समय पर अपने ड्यूटी स्थल पर पहुंच सकेंगे।

सीटू के महासचिव टी जोगा राव ने बीएसपी के कार्यपालक निदेशक को ज्ञापन देकर बताया कि संयंत्र में कर्मचारियों के ड्यूटी आने जाने के दौरान सुरक्षा को देखते हुए लोको आवागमन बंद करना बहुत जरूरी है । संयंत्र में बायोमैट्रिक अटेंडेंस के लगाने कर्मी ड्यूटी शुरू होते समय जल्दी में अपने विभाग के तरफ जाते हैं । इस समय भी प्लांट के अंदर ड्यूटी जाने वाले सड़कों पर लोको मूवमेंट जारी रहता है । इससे हमेशा दुर्घटना की आशंका बनी रहेगी। कर्मियों के ड्यूटी आते एवं जाते समय अक्सर ट्रक चालकों एवं लोको ऑपरेटर से विवाद भी हो रहा है। ड्यूटी टाइम में अचानक ट्रक वाले घुस आते हैं और लोको ऑपरेटर अथवा शटिंग स्टाफ के साथ भी कर्मियों से विवाद होता है।

लगे हैं सीसीटीवी कैमरे

सीटू के सहायक महासचिव जगन्नाथ प्रसाद त्रिवेदी ने बताया कि 2024 से संयंत्र में बायोमेट्रिक सिस्टम लागू है। वाहनों के स्पीड को नियंत्रित करने के लिए पूरे संयंत्र में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। इन सबके बीच जब ड्यूटी टाइम में ट्रक तेजी से आते जाते हैं और डिपार्टमेंट पहुंचने वाले सड़कों पर ड्यूटी शुरू होने अथवा छुट्टी होने के समय लोको का मूवमेंट होता रहता है तो कर्मी इससे परेशान होने लगते हैं । प्रबंधन कर्मियों की सुरक्षा को देखते हुए सुरक्षित परिहवन व्यवस्था करे।

मुख्य मार्गों पर लगे डिस्प्ले बोर्ड

संयंत्र में रफ्तार से ट्रकों के आवागमन के दौरान कर्मियों की सुरक्षा के लिए मुख्य मार्गों पर बड़े बड़े डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएं। संयंत्र के मुख्य गेटों पर पहुंचने वाले मार्गों में लगे डिस्प्ले बोर्ड इतना छोटा है कि उसे कई लोग पढ़ नहीं पाते हैं। सीटू ने प्रबंधन से ड्यूटी के समय कुछ समय के लिए लोको मूवमेंट बंद रखे जाने की मंग की है। प्रथम पाली के समय सुबह 5:45 से 6:15 बजे तक, सामान्य पाली में 8:45 से 9:15 बजे तक, द्वितीय पाली के समय में 1:45 से 2:15 बजे तक, शाम सामान्य पाली छुट्टी समय 5:30 बजे से 5:45 बजे तक, रात्रि पाली में 9:45 बजे से 10:15 बजे तक लोको मूवमेंट को बंद रखा जाना चाहिए । इससे कर्मी सरलता के साथ अपने विभागों में पंचिंग करने तथा आउट पंचिंग करने के बाद वापस जाने के लिए रेल क्रासिंग वाले सड़कों से सरलता से आवाजाही कर सकेंगे।

बीएसपी कर्मियों को 39 माह का एरियर्स भुगतान व ठेका श्रमिकों को मिले 26 हजार रुपए वेतन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

स्टील इम्प्लाइज यूनियन इंटक, भिलाई के महासचिव और स्टील ठेका श्रमिक यूनियन इंटक के अध्यक्ष संजय कुमार साहू ने डॉ. जी संजीव रेड्डी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, (इंटक) से हैदराबाद में मिलकर कर भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों के वेतन समझौता और सुविधाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की । उन्होंने उच्च प्रबंधन से कर्मचारियों व ठेका मजदूरों की मांगों को पूर्ण कराने की मांग की। डा. रेड्डी ने सरकार व सेल प्रबंधन चर्चा कर बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित कराने काआश्वासन दिया है। बैठक में 1 जनवरी 2017 से लंबित वेतन समझौते के बाद 39 माह का एरियर्स भुगतान सहित हाउस रेंट अलाउंस में संशोधन और वर्ष 2007 से लागू मंथली इंसेंटिव स्कीम का पुनरीक्षण कराने का आग्रह किया गया। श्री साहू ने बताया कि कर्मचारियों के लिए बेहतर आवास व्यवस्था।

- इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष रेड्डी से मिली स्टील इम्पलाइज यूनियन

सेवानिवृत्ति के समय 650 वर्गफीट निर्धारित आवास के अतिरिक्त अन्य आवास को भी लाइसेंस पर जारी करने, नॉन-फा इ नें शि य ल मोटिवेशन स्कीम लागू करना,बेहतर एवं सुदृढ़ स्वास्थ्य सुविधाए दिलाने की मांग की। ठेका श्रमिकों के लिए 26 हजार न्यूनतम वेतन अन्य भत्ते, तथा ईएसआईसी सीमा 50 हजार तक बढ़ाने की मांग।सेल के ठेका श्रमिकों के लिए स्पष्ट एवं बेहतर नीति निर्माण और नए श्रम कानूनों से पर चर्चा की।. जी. संजीव रेड्डी ने आश्वस्त किया कि सरकार और सेल अध्यक्ष स्तर पर चर्चा की जाएगी तथा कर्मचारियों को बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करेंगे।

शोषण के खिलाफ फिर सड़कों पर उतरेंगे ठेका मजदूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

वर्षों से उद्योगों में काम करने वाले ठेका मजदूरों की मांगों और संघर्ष के बाद भी चौतरफा शोषण से उनमें असंतोष बढ़ रहा है।

- अभा ठेका मजदूर महासंघ बीएमएस के बैनर तले 25 को होगा देशव्यापी जन जागरण आंदोलन

मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा है और न ही बेहतर वेतन व बोनस ही दिया जा रहा है। देश के दस ट्रेड यूनियनों व फेडरेशन के आह्वान पर 12 फरवरी को हुई देशव्यापी हड़ताल के बाद अब फिर भारतीय मजदूर संघ बैनर तले ठेका मजदूरों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने और नई श्रम संहिता सहित केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ 25 फरवरी को राष्ट्रव्यापी आंदोलन किया जाएगा। इस आशय का निर्णय अखिल भारतीय ठेका मजदूर संघ बीएमएस के जगन्नाथपुरी में हुए अखिल भारतीय अधिवेशन लिया गया। सम्मेलन मेंभिलाई व छग सहित देशभर के ठेका मजदूरों के हितों के साथ देश में लागू मजदूर विरोधी नीतियों पर चर्चा हुईपर चर्चा हुई। अखिल भारतीय ठेका मजदूर महासंघ बीएमएस के राष्ट्रीय सचिव अनिल साहू ने बताया कि 25 जनवरी को जन जागरण आंदोलन के तहत देश के सभी राज्यों में जिलाधिकारी कार्यालयों, शासकीय कार्यालयों, श्रम कार्यालयों व ई-कार्यालयों के सामने धरना आंदोलन किया जाएगा। आंदोलन के माध्यम से श्रमिक हितों की रक्षा, श्रम संहिताओं में आवश्यक संशोधन तथा सरकार जागो के आह्वान के साथ जनजागरण किया जाएगा। जिला मुख्यालय दुर्ग में भी धरना दिया जाएगा। सम्मेलन में निर्वाचित नई कार्यकारिणी में एस मल्लेशम राष्ट्रीय अध्यक्ष (तेलंगाना) महामंत्री सुरेंद्र कुमार पांडे (छत्तीसगढ़), संगठन मंत्री बी. सुरेंद्रन व तेलंगाना के केवीराधाकृष्णन को अभा ठेका मजदूर महासंघ का प्रभारी बनाया गया है।

यह हैं प्रमुख मांगें

श्रम कानूनों का सार्वभौमिकरण,बिना भेदभाव के श्रम कानून समान रूप से लागू किए जाए,ठेका श्रमिकों के शोषण का समाप्त करने कानूनों में कठोर संशोधन किया जाए,आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं को मानदेय के स्थान पर शासकीय कर्मचारी का दर्जा, उचित वेतन व पूर्ण सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाए। सरकार,नियोक्ता और श्रमिकों के बीच त्रिपक्षीय संवाद तंत्र को पुनर्जीवित कर नियमित व प्रभावी बनाया जाए,सरकारी व सार्वजनिक क्षेत्र में सामान्य भर्ती पर लगी रोक हटाया जाए।सोशल सिक्योरिटी कोड व वेज कोड को शीघ्र प्रभावी रूप से लागू किया,सभी स्कीम वर्कर्स को शासकीय कर्मचारी का दर्जा दिया जाए,पीएफ, ईएसआई, पेंशन, ग्रेच्युटी और बोनस की मांगों पर सरकार द्वारा सकारात्मक निर्णय न लिए जाने पर 25 फरवरी को देशभर में सरकार जागो आंदोलन करने का निर्णय लिया गया।

जल प्रकृति का अमूल्य उपहार, इसे संरक्षित रखने की जिम्मेदारी हमारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

जल प्रकृति का अमूल्य उपहार है, जीवन की आधारशिला और मानव सभ्यता की जीवनरेखा। जब यह जल स्वच्छ और संरक्षित रहता है, तो केवल पर्यावरण ही नहीं, समाज का सामूहिक स्वास्थ्य और संतुलन भी सुदृढ़ होता है। इसी विचार को साकार रूप देते हुए प्राकृतिक जल स्रोतों, नदियों, तालाबों, झीलों और समुद्री तटों की निस्वार्थ भाव से स्वच्छता एवं संरक्षण का व्यापक अभियान आज जन-जन के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रहा है। यह पहल केवल सफाई तक सीमित नहीं, बल्कि जागरूकता, जिम्मेदारी और सामूहिक सहभागिता का सशक्त संदेश है। स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' अभियान के चौथे चरण का प्रेरणास्पद आयोजन के तहत

सेक्टर 8 स्थित नहर के पास सफाई अभियान किया गया। सेक्टर-8 में सैकड़ों अनुयायी इस अभियान में अपनी सेवाएं देकर स्वच्छता का संदेश दिया। संत निरंकारी मिशन ब्रांच दुर्ग-भिलाई द्वारा आज स्वच्छ जल स्वच्छ मन अभियान के अंतर्गत सेक्टर-8 नहर के पास सघन सफाई अभियान किया।

परामर्शदात्री समिति की बैठक में सांसद विजय बघेल ने दिए सुझाव

रिसाली-धनोरा के बीच बनेगा अंडर ब्रिज, घासीदास बाबा के नाम पर ट्रेन चलाने प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

जोनल रेलवे उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की बैठक में दुर्ग लोकसभा क्षेत्र में के सांसद विजय बघेल ने कई सारे महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। इन सुझावों को माना गया तो रिसाली-धनोरा समपार फाटक पर अंडरब्रिज की जगह ओवरब्रिज बनेगा। इस मार्ग पर यातायात का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है और यहां अंडरब्रिज बनना अधिक उपयोगी नहीं माना जा रहा है। यहां अंडरब्रिज बनने से यातायात की जो समस्या है उसका सही में निराकरण नहीं हो सकेगा। ऐसे में रेलवे के द्वारा सांसद विजय बघेल के सुझाव को स्वीकृत किया जाता है तो इस मार्ग पर ओवरब्रिज बन सकता है। बघेल ने इस बैठक में बिलासपुर से पुणे जाने वाली ट्रेन का गुरु घासीदास गुरु बाबा के नाम पर नामकरण करने तथा इस ट्रेन को प्रतिदिन चलाने सहित अन्य कई महत्वपूर्ण सुझाव दिया है। जोनल रेलवे उपयोगकर्ता परामर्श दात्री समिति जेडआरयूसीसी कि इस महत्वपूर्ण बैठक में राज्यसभा सदस्य देवेंद्र प्रताप सिंह, राज्य मंत्री तोरण साहू के प्रतिनिधि, रेल महाप्रबंधक डीआरएम रायपुर इत्यादि सहित अन्य कई प्रतिनिधि शामिल हुए थे।

रिसाली-धनोरा रेलवे फाटक में रहता है ट्रैफिक का दबाव

सांसद विजय बघेल ने बैठक में रेलवे से संबंधित क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं की ओर ध्यान दिलाते हुए अपनी ओर से कई महत्वपूर्ण सुझाव रखा। उन्होंने इस दौरान कहा कि दुर्ग जिले में रिसाली धनोरा मार्ग पर समपार फाटक पर प्रस्तावित अंडरब्रिज की जगह, ओवर ब्रिज बनाया जाना वहां आम यात्रियों के लिए अधिक फायदेमंद साबित हो सकता है। इसी तरह से उन्होंने कहा कि मनखे मनखे एक समान का संदेश देने वाले बाबा गुरु घासीदास बाबा के नाम पर छत्तीसगढ़ से एक ट्रेन चलनी चाहिए। बिलासपुर से पुणे जाने वाली ट्रेन का बाबाजी के नाम पर नामकरण किया सकता है। इस ट्रेन को प्रतिदिन चलाने का भी सुझाव रखा।

देर से चलने वाली ट्रेनों के बारे में ली जानकारी

सांसद विजय बघेल ने इस दौरान रेल यात्रियों की सुविधा के लिए देर से चलने वाली सभी ट्रेनों को नियमित रूप से चलाने, रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए प्रसाधन के सुविधा बिल्कुल फ्री उपलब्ध कराने, इसके लिए कोई अतिरिक्त चार्ज नहीं लेने और रीवा में कोचिंग डिपो चालू होते ही बिलासपुर से रीवा जाने वाली ट्रेन को दुर्ग से शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा। यह संभावना है कि सांसद विजय बघेल के दिए गए सुझावों को उच्च स्तर पर अनुशंसा के लिए भेजा जाएगा।

हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 24 फरवरी 2026

लाइव

Email id- haribhoomibhilai@gmail.com

7747020002, Message at - 9755819129

एसएफ बटालियन में हुआ रंगारंग आगाज

लाइव इवेंट

कादम्बरी नगर में संगीतमय राम कथा रामायण को बताया जीवन का आदर्श

दुर्ग। कादम्बरी नगर वार्ड 17 में संगीतमय राम कथा का आयोजन किया गया। रामायण महिला समिति कादम्बरी नगर द्वारा प्रतिवर्ष इस प्रकार का आयोजन किया जाता है।कार्यक्रम में महापौर अलका बाघमार, एमआईसी मेंबर देवनारायण चंद्राकर प्रमुख रूप से मौजूद थे। कथा के दौरान राम भक्ति से सराबोर भजन, सुंदर कांड के प्रसंग और भक्तिमय वातावरण से पूरा क्षेत्र आध्यात्मिक अनुभूति से भर उठा। श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम को अत्यंत सफल बताया और समिति सदस्यों ने भी विश्वास जताया कि यह परंपरा इसी प्रकार आगे भी चलती रहेगी। इस अवसर पर पार्षद सुरूचि उमरे, सुषमा गुप्ता, निगी टांक, अरुणा भरगनिमा, शोभा गुप्ता, गीला पाण्डे, मंजू पटेल, प्रेमलता कर्मा, नेहा अग्रवाल सहित अन्य मौजूद थे। महापौर ने कहा कि रामायण केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाली आदर्श शिक्षा है। रामायण हमें मर्यादा, त्याग, सेवा और आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देती है। 30 वर्षों से कादम्बरी नगर की रामायण माला समिति द्वारा रामायण का आयोजन किया जा रहा है।

सिटी इवेंट

साहित्यिक अध्ययन अनुभवों को व्यक्त और दर्ज करने में निभाता है अहम भूमिका

दुर्ग। आईआईटी भिलाई में संस्कृति, भाषा और परंपरा अध्ययन केंद्र के सहयोग से एसोसिएशन फॉर लिटरेरी अर्बन स्टडीज़ के साथ मिलकर पांच दिवसीय आवासीय प्रमाणपत्र पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को साहित्यिक शहरी अध्ययन में शोध करने के लिए आवश्यक सैद्धांतिक आधार प्रदान करना था। इसमें आधुनिक भारतीय साहित्य में घर की अवधारणा और उसके विभिन्न अनुभवों को किस प्रकार प्रस्तुत किया गया। इस पर विशेष ध्यान दिया गया। स्टूडेंट्स ने चयनित साहित्यिक कृतियों का अध्ययन करते हुए यह समझा कि इन अनुभवों को किस प्रकार अभिव्यक्त किया गया है, और आधुनिक दक्षिण एशिया में आवासीय संरचनाओं के विकास को भी परखा। इस अवसर पर टीयू चेमिनिटीज और एएलयूएस के अध्यक्ष प्रो. सेसिले सैंडटन, इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर विमेन दिल्ली के डॉ. देबजानी सेनगुप्ता, एनआईटी रायपुर के स्वास्ति स्थापक और सीसीएलटी के एसोसिएट हेड डॉ. अनुभव प्रधान मौजूद थे। प्रो. सैंडटन ने बताया कि साहित्यिक अध्ययन लोगों के रोज़मर्रा के जीवनानुभवों को व्यक्त और दर्ज करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उनके व्याख्यान में यह भी समझाया गया कि विभिन्न प्रस्तुतियों के माध्यम से शहरों को किस तरह वर्णित, विवादित और नए अर्थों में समझा जाता है। डॉ. अनुभव प्रधान ने भारत में आवासीय शैलियों के विकास पर चर्चा की। प्रो. स्वास्ति स्थापक ने भिलाई स्टील प्लांट टाउनशिप की योजना और स्थापत्य इतिहास पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि इसकी मूल अवधारणा क्या थी और समय के साथ इसका क्रमिक विकास कैसे हुआ।

सिटी इवेंट

भूगर्भशास्त्र की छात्रा रूचि ने जीता राष्ट्रीय सेमीनार में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का खिताब

दुर्ग। साइंस कॉलेज के भूगर्भशास्त्र विषय की एमएससी चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा रूचि देशमुख ने मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय उदयपुर राजस्थान में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के जियो यूथ 2026 सेमीनार में श्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार प्राप्त किया है। भूगर्भशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एसडी देशमुख ने बताया कि इस जियो यूथ 2026 कॉनक्लेव में 7 राज्यों राजस्थान, छत्तीसगढ़, पंजाब, गुजरात, जम्मू कश्मीर, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश के 15 विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। उदयपुर में आयोजित इस जियो यूथ 2026 के विषय में जानकारी देते हुए प्रभारी प्राध्यापक प्रोफेसर डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने बताया कि रूचि देशमुख ने अपना शोध पत्र वायु के द्वारा रेगिस्तान में बनने वाली विभिन्न संरचनाओं की सचित्र जानकारी पावर पाइंट प्रस्तुतिकरण के माध्यम से विस्तार से दी। रूचि देशमुख ने अलावा साइंस कालेज दुर्ग के अन्य 12 विद्यार्थियों ने जियो यूथ कॉनक्लेव 2026 में ओरल तथा पोस्टर प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इन विद्यार्थियों में फाल्गुनी साहू एवेन्द्र, अर्जुन सोनकर, छवि परमार, संजना श्रीवास्तव, नेहा कुर्रे, दीपा साहू, निशा, सौम्य पांडेय, चेतना गायकवाड़, जयंती बाघ, लोकेश्वरी देशमुख आदि शामिल थे। विद्यार्थियों ने उदयपुर के समीप स्थित चट्टानों का भूवैज्ञानिक अध्ययन करने के साथ-साथ झमरकोटरा फास्फोराइट डिपॉजिट तथा, अभरक, सज्जीकरण संयंत्र का भ्रमण भी किया तथा विभिन्न चट्टानों तथा खनिजों के नमूने भी एकत्रित किये।

● 14वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता का उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किया शुभारंभ

देश के अलग-अलग प्रांतों के तीरंदाज जुटे भिलाई में इंडियन राउंड, रिकर्व एवं कंपाउंड में दिखाएंगे अपना दम

दुर्ग। प्रथम वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल भिलाई में 27 फरवरी तक चलने वाले 14वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता का सोमवार को आगाज हुआ। बारिश से बाधित इस आयोजन का उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने उद्घाटन किया।प्रतियोगिता अखिल भारतीय पुलिस कंट्रोल बोर्ड नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। देश के अलग-अलग राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से आए 437 प्रतिभागी इसमें भाग ले रहे हैं। इसमें 285 पुरुष एवं 152 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। विजय शर्मा ने सभी टीम मैनेजरों से परिचय प्राप्त किया। तीरंदाजी प्रतियोगिता के तीन प्रमुख इवेंट इंडियन राउंड, रिकर्व एवं कंपाउंड शामिल हैं।

अखिल भारतीय पुलिस को मिली मेजबानी

विजय शर्मा ने कहा कि विभिन्न राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों एवं केंद्रीय बलों से आए सभी खिलाड़ियों का छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर हृदय से स्वागत और अभिनंदन है। उन्होंने कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए गौरव और सौभाग्य का विषय है कि इतने प्रतिष्ठित स्तर की अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर राज्य को प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, समर्पण और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का सशक्त साधन हैं। देश के कोने-कोने से आए खिलाड़ी यहां एक मंच पर एकत्र हुए हैं, जो भारत की विविधता में एकता की भावना को साकार करते हैं। विशेष रूप से पुलिस एवं केंद्रीय बलों के खिलाड़ी, जो देश की सुरक्षा का दायित्व निभाते हैं, खेल मैदान में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे है। प्रतियोगिता में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित खिलाड़ियों की उपस्थिति इस आयोजन की गरिमा को और बढ़ाती है। शर्मा ने कहा कि राज्य गठन के 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने हर क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। छत्तीसगढ़ पुलिस को राष्ट्रपति कलर अवार्ड से सम्मानित किया जाना पूरे प्रदेश के लिए सम्मान की बात है। नक्सलवाद के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई, आधुनिक तकनीकों का उपयोग, ड्रोन के माध्यम से पेट्रोलिंग और सुरक्षा व्यवस्था में निरंतर सुधार ये सभी छत्तीसगढ़ पुलिस की दक्षता और प्रतिबद्धता के प्रमाण हैं।

पूर्व में राष्ट्रीय स्तर पर वेटलिफ्टिंग सहित अन्य स्पर्धाओं का आयोजन

विजय शर्मा ने कहा कि खिलाड़ियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार, प्रशासन, पुलिस विभाग एवं नगर निगम द्वारा उनके आवास, स्वास्थ्य, परिवहन और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई है। राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है और पूर्व में वेटलिफ्टिंग सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन इसका उदाहरण है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन कर, अपने-अपने राज्यों और बलों का नाम रोशन करें। महापौर अलका बाघमार ने कहा कि खेल जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। खेल शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक क्षमता के विकास में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रदेशों से आए खिलाड़ियों के बीच सामंजस्य और एकता की भावना खेलों से ही विकसित होती है। इस अवसर पर डीजीपी अरुण देव गौतम, एडीजी विवेकानन्द सिन्हा, एडीजी एसआरपी कल्लूरी, संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल सहित अन्य मौजूद थे।

नेहरू नगर में रामायण : राम-सीता के विवाह प्रसंग ने श्रद्धालुओं में भरा आनंद का भाव

भिलाई। नेहरू नगर स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में आयोजित नवधा रामायण पाठ के तीसरे दिन सोमवार को भगवान श्रीराम एवं माता सीता के दिव्य विवाह प्रसंग ने श्रद्धालुओं में आनंद का भाव भर दिया। जोधपुर राजस्थान से पधारे रामायण पाठकर्ता प्रसिद्ध पंडित गिरधर गोपाल आसोपा और पंडित सुशील आसोपा के श्रीमुख से सामूहिक रामायण पाठ से मंदिर परिसर भक्ति, उल्लास और मंगल गीतों से गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थित होकर राम-सीता विवाह की झांकी का आनंद लिया। जैसे ही विवाह प्रसंग प्रारंभ हुआ, पूरा वातावरण सीताराम के जयघोष से गूंज उठा। जयपुर की संगीतमय मंडली ने मधुर भजनों और मंगल गीतों के माध्यम से विवाह प्रसंग को जीवंत कर दिया। जिससे श्रद्धालु स्वयं को त्रेतायुग के पावन क्षण का साक्षी अनुभव कर रहे थे। विवाह समारोह में वरमाला, कन्यादान एवं सप्तपदी जैसे सभी वैदिक अनुष्ठान विधिवत संपन्न कराए गए। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर भगवान के दिव्य मिलन का उत्सव मनाया। समिति के अध्यक्ष संजय रुंगटा ने बताया कि नवधा रामायण पाठ का उद्देश्य समाज में धर्म, संस्कार और एकता का संदेश प्रसारित करना है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु रामायण पाठ में सहभागी बनकर पुण्य लाभ प्राप्त कर रहे है। तृतीय दिवस का यह आयोजन भक्तों के लिए अविस्मरणीय रहा। इस अवसर पर बंशी अग्रवाल, चतुर्भुज राठी, दिनेश सिंघल, राजकुमार अग्रवाल, संतोष रुंगटा, दिलीप अग्रवाल, विजय अग्रवाल, सुभाष गुलाटी, विकास सिंघल, विजय गुप्ता, खेमचंद मध्यानी सहित अन्य मौजूद थे।

पर्यावरण मित्र बालूराम को कुर्मी गौरव सम्मान

भिलाई। छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज द्वारा चापा जिला भाटापारा बलौदाबाजार में आयोजित 80 वां महाअधिवेशन आयोजित हुआ, जिसमें बालूराम वर्मा को सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण मित्र मंडल भिलाई के साथ उनका पेड़ लगाओ पानी बचाव और प्लास्टिक मुक्त शहर अभियान लगातार जारी है। बालू राम वर्मा ने स्वयं के हाथों से 10 हजार से भी अधिक पौधे रोपित किए हैं। स्वयं की आमदनी से नर्सरी तैयार कर प्रतिवर्ष 25000 से भी अधिक विभिन्न प्रजाति के फलदार छायादार एवं फूलों का पौधा निशुल्क वितरण करते हैं। ट्रॉली रिक्शा द्वारा डोर टू डोर कचरा इकट्ठा अभियान चलाकर शहर को सुंदर व स्वच्छ बनाने का प्रयास भी किया। उन्हें 40 वर्षों से पर्यावरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किया।

छग शासन ने बोर्ड परीक्षाओं को लेकर जारी की एडवाइजरी, हेल्थ सेंटरों में भी दी जा रही जानकारी

बोर्ड परीक्षाओं को लेकर टिप्स : मानसिक तनाव को दूर रखकर करें एग्जाम की तैयारी, भरपूर नींद लें और समय पर करें भोजन

कार्नर न्यूज

भिलाई। बोर्ड की परीक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। सीबीएसई और सीजी बोर्ड के एग्जाम एक साथ चल रहे हैं। जल्द ही 9वीं और 11वीं की परीक्षाएं भी शुरू होनी है। ऐसे में अब स्टूडेंट्स पूरी तरह से अपनी पढ़ाई में व्यस्त हैं, लेकिन जिन स्टूडेंट्स की तैयारी पूरी नहीं हो पाई है, वे आगामी परीक्षा को लेकर चिंतित हैं। इस दौरान कई स्टूडेंट्स जानना चाहते हैं कि परीक्षा में किस तरह के सवाल पूछे जा सकते हैं और एग्जाम में कैसे लिखना चाहिए। हरिभूमि ने इस विषय पर शिक्षकों और मनोवैज्ञानिकों से बातचीत की। विशेषज्ञों का कहना है कि कई स्टूडेंट्स तैयारी की कमी के कारण तनाव में हैं, लेकिन जिनकी तैयारी पूरी हो चुकी है, वे अब अपनी रणनीति पर ध्यान दे रहे हैं कि परीक्षा में किस प्रकार से जवाब देना चाहिए। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, स्टूडेंट्स का डर अक्सर परीक्षा के बारे में अनिश्चितता से आता है। इसलिए उन्हें खुद पर विश्वास रखना चाहिए और अधिक से अधिक अभ्यास करना चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि समय प्रबंधन और सही रणनीति के साथ ही बोर्ड परीक्षा में सफलता प्राप्त की जा सकती है। इस समय स्टूडेंट्स को शांत मन से पढ़ाई करनी चाहिए और परीक्षा से पहले आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए।

पैरेंट्स रोज बच्चों से कहें, मैं तुम्हारे साथ हूं

परीक्षा के दौरान पैरेंट्स आउटडोर एक्टिविटी कम करें और अधिक से अधिक समय बच्चों को दें। समय पर खाने का ध्यान रखें और उन्हें हौसला दें। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि सिर्फ एक लाइन बच्चों को पढ़ाई की नई उम्मीद दे सकती है, जिससे आत्महत्या जैसी घटनाओं को रोका जा सकता है। तुम अपना 100 प्रतिशत दो, रिजल्ट जो भी आएगा, मैं तुम्हारे साथ हूं.., यह सामान्य-सी लाइन बच्चों की जिंदगी बदल सकती है। इसलिए बच्चों को प्रोत्साहित करें। उनके आसपास रहें, उनकी हर छोटी-बड़ी चीजों का ध्यान रखें। कोशिश करें कि वे बच्चे टाइम से खाना खाएं, टाइम से सोएं। एग्जाम टाइम में भरपूर नींद बच्चों के मानसिक तनाव को कम करता है।

शासन ने मानसिक दबाव को कम करने जारी की एडवाइजरी: छत्तीसगढ़ शासन के शिक्षा विभाग ने इस बार परीक्षा के दौरान होने वाले मानसिक दबाव को कम करने के लिए एडवाइजारी की है। शिक्षकों ने बताया कि यदि चिंता या घबराहट में बदल जाए तो तुरंत मार्गदर्शन लेना चाहिए। विद्यार्थियों से अपील की गई है कि वे किसी भी स्थिति में संकोच न करें और सीधे हेल्पलाइन पर संपर्क करें। शैक्षणिक संस्थानों को सुझाव दिया गया है कि स्कूलों और कॉलेजों में नियमित काउंसलिंग, योग और ध्यान सत्र आयोजित किए जाने चाहिए ताकि छात्र आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दे सकें। हेल्थ सेंटरों को भी निर्देशित किया गया है कि प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा विद्यार्थियों को व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से परामर्श दें। अधिकारियों ने पालकों और शिक्षकों से विशेष आग्रह किया है कि वे बच्चों पर अंकों का अनावश्यक दबाव न डालें। उनकी भावनाओं को समझें और मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक स्वास्थ्य के समान ही महत्व दें।

उत्तर लिखने के बाद टिक करें सवाल

सनशाइन स्कूल की प्राचार्य नम्रता नागर बताती हैं कि बच्चे परीक्षा सेंटर पर समय से पहले पहुंचें। शुरुआत के 10-15 मिनट प्रश्नपत्र को ध्यान से पढ़ें और जिन प्रश्नों का उत्तर पहले देना है, उन्हें टिक करें। सरल प्रश्नों को पहले हल करने से आत्मविश्वास बढ़ता है और जो प्रश्न कठिन लगते हैं, वे भी आसान लगने लगते हैं। लेखन के दौरान सही उत्तर क्रमांक लिखें और हल करते समय अ और ब का जिक्र जरूर करें। सभी विषयों में अपने शब्दों का इस्तेमाल करना जरूरी है, लेकिन बोलचाल की भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए। गणित, विज्ञान, समाजिक विज्ञान, भौतिकी, रसायन, अंग्रेजी और हिंदी जैसे विषयों में संबंधित विषय के शब्दों का चयन करें। इससे सटीक उत्तर मिलेगा और नंबर प्राप्त होंगे। पेपर लिखते वक्त क्वांटिटी से ज्यादा क्वालिटी पर ध्यान दें।

एजुकेशन इवेंट

शिक्षक न्याय के मूल्यों को आत्मसात करें तो स्टूडेंट्स की सोच भी बदलेगी

दुर्ग। गर्ल्स कॉलेज में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के चौथे दिन मुख्य वक्ता डॉ. प्रमोद गुप्ता ने शिक्षकों में लैंगिक संवेदनशीलता का दृष्टिकोण विकसित करना, जागरुकता से लेकर कार्यवाही तक विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि शिक्षकों में लैंगिक संवेदनशीलता केवल कानूनी जानकारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक परिवर्तन की प्रक्रिया है। जब शिक्षक स्वयं समानता और न्याय के मूल्यों को आत्मसात करते हैं तो छात्रों में भी इस दृष्टिकोण का निर्माण होता है। वक्ता डॉ. टीएस संजयन ने लैंगिक सढ़िवादिता वाले समाज में महिला शिक्षकों को सशक्तिकरण केवल व्यक्तिगत उन्नति का प्रश्न नहीं है, यह सामाजिक परिवर्तन की आधारशिला है। सशक्त महिला शिक्षक आने वाली पीढ़ियों में समानता, न्याय व संवेदनशीलता के मूल्य स्थापित करेंगे। अधिवक्ता शमरीन सिद्दीकी ने लैंगिक समानता के दूत के रूप में शिक्षकों को सशक्त बनाना कानूनी दृष्टिकोण विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत सरकार ने लैंगिक पहचानों को समान अधिकार, अवसर प्रदान करने के लिए विधि व्यवस्था द्वारा अनेक प्रावधान एवं कानून निर्माण किए है, जो लैंगिक भेदभाव समाप्त कर समानता स्थापित करने में सहायता करते है। इसके अंतर्गत उन्होंने प्रमुख कानून और अधिनियमों की जानकारी दी। कार्यस्थल पर सुरक्षा, बाल संरक्षण, घरेलू हिंसा से सुरक्षा, विशाखा वमाम राजस्थान राज्य आदि के बारे में अवगत कराया।

डॉ. सुगम सावंत ने कार्यस्थल पर महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं मानसिक रूप से स्वस्थ और सुरक्षित महसूस करती है, तो अपना काम आत्मविश्वास और दक्षता के साथ पूर्ण करती हैं। नारी सशक्तिकरण पर पृथ्वी, आर्या अवस्थी ने काव्यपाठ किया। चंचल यादव ने कुशल निर्देशन में साथियों के साथ मिलकर लैंगिक समानता पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन दीपक ठाकुर और आभार प्रदर्शन डॉ. श्वेता गायकवाड़ ने प्रस्तुत किया। प्राचार्य डॉ. रंजना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

समाज लाइव

रोजगार के अवसर डेवलप करने 12 दिवसीय उद्यमिता प्रशिक्षण की शुरुआत

भिलाई। वाणिज्य एवं उद्योग विभाग और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में लोधी भवन न्यू खुर्सीपार में 12 दिवसीय सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राज्य में उद्यमिता को प्रोत्साहित करने एवं स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार के अवसर सृजित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं महिलाओं को आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करना तथा उन्हें व्यवहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से स्वयं का उद्यम स्थापित करने हेतु सक्षम बनाना रहा। प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रतिभागियों को व्यवसाय चयन की प्रक्रिया, परियोजना रिपोर्ट तैयार करना, पूंजी प्रबंधन, विपणन रणनीतियां, डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। मुख्य अतिथि न्यू खुर्सीपार के पार्षद दया सिंह ने उद्यमिता को आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला बताते हुए प्रतिभागियों को अपने कौशल को पहचानकर उसे व्यवसाय के रूप में विकसित करने हेतु प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि बीजेपी की महिला मोर्चा अध्यक्ष स्वीटी कौशिक ने कहा कि दृढ़ संकल्प, निरंतर प्रयास एवं उचित मार्गदर्शन से छोटे स्तर का व्यवसाय भी बड़ी सफलता में परिवर्तित हो सकता है। इस अवसर पर बोध कुमार, राजकुमार यादव, अरविन्द कुमार द्विवेदी, डॉ. पोषण लाल सिन्हा, तेज साहू, सविता सोनी, उषा पाल सहित अन्य मौजूद थे।

नारी शक्ति सम्मान से डॉ. भावना दिवाकर को किया गया अलंकृत

भिलाई। वीरांगना रानी दुर्गावती की स्मृति में नारी शक्ति सम्मान से इस वर्ष डॉ. भावना दिवाकर को अलंकृत किया गया। यह सम्मान समता साहित्य अकादमी, छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा रामजान की सामुदायिक भवन, कुशालपुर, रायपुर में आयोजित भव्य एवं गरिमामयी समारोह में प्रदान किया गया। उनके पिता स्वर्गीय नारायण गवई एवं माता स्वर्गीय कमला गवई ने उन्हें बचपन से ही सत्य, संवेदना, अनुशासन और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भाव दिया। उनका निवास बोरसी दुर्ग में है। वे राकेश दिवाकर की धर्मपत्नी हैं।

● फागुन कृष्ण पंचमी पर भिलाई-दुर्ग के दिगंबर जैन मंदिरों में अलग-अलग आयोजन

ट्विनसिटी में पूरे भक्ति-भाव से मना भगवान मल्लिनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस, आपसी भाईचारे का दिया संदेश

भिलाई। भगवान मल्लिनाथ के मोक्ष कल्याणक दिवस पर रिसाली में मंगल अभिषेक और निर्वाण लाडू अर्पण का कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर मूलनायक भगवान का 21 वर्षों के बाद मस्तकाभिषेक किया गया। फागुन कृष्ण पंचमी पर यह विशेष आयोजन किया गया। 1008 मल्लिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक दिवस पर भक्तों ने जयघोष में लगाया। दिगम्बर जैन समाज ने मोक्ष कल्याणक को महोत्सव के रूप में मनाया। श्री जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना और आरती की गई। बड़ी संख्या में जैन भक्तों में कार्यक्रम में भाग लिया। सुबह श्री जी के अभिषेक और शांतिधारा से आयोजन की शुरुआत हुई। विशेष पूजन-अर्चना के साथ महोत्सव संपन्न हुआ। देवाधिदेव 1008 मल्लिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव निर्वाण कांड का पाठ कर और श्री जी को लाडू समर्पित किया गया। इस अवसर पर समाज के विमल जैन, डॉ. सविता जैन, राकेश जैन, अंजू जैन, पुनीत जैन, प्रशांत जैन, ममता जैन, संप्रास जैन, डॉ. संप्रति जैन सहित अन्य मौजूद थे।

महिलाओं ने दी भजन की प्रस्तुति

मल्लिनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक दिवस पर मनीत जैन रिसाली महिला मंडल के साथ भक्तों ने पूजन आरती की। महिलाओं ने भजन की प्रस्तुति दी। पंडित अनेकांत जैन के निर्देशन में क्षितिज जैन के साथ भक्तों ने अभिषेक पूजन किया। कार्यक्रम में त्रिवेणी जैन तीर्थ सेक्टर 6, पार्श्वनाथ दिगंबर जैन सभा के उपाध्यक्ष प्रदीप बाकलीवाल, महामंत्री सोमेश बाकलीवाल, भारत जैन, रिसाली मंदिर के कमलेश जैन, राकेश जैन, सुलभ जैन, विमलेश जैन सहित अन्य मौजूद थे।

जैन धर्म में 24 तीर्थंकर, जिसमें मल्लिनाथ 19वें तीर्थंकर

जैन धर्म में यूं तो 24 तीर्थंकर हुए। सभी तीर्थंकर का महत्व अपनी जगह है। 19 वें तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ को फाल्गुन शुक्ल पंचमी को मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। इसीलिए जैन समाज द्वारा इस दिन को भगवान के मोक्ष अर्थात निर्वाण कल्याणक के रुप में मनाते हैं।यह विचार आयोजित कार्यक्रम में आचार्य ने रखी। उन्होंने कहा कि भगवान मल्लिनाथ को तीर्थराज सम्मेद शिखर क्षेत्र से मोक्ष कल्याणक अर्थात वह परम अवस्था प्राप्त हुई थी, जिसे प्राप्त करने के बाद चारों गतियों में आना जाना छूट जाता है। पंच बालयति तीर्थंकरों में भगवान मल्लिनाथ का नाम आता है। यानी 24 तीर्थंकर में से जो पांच तीर्थंकर बाल ब्रह्मचारी हुए हैं, उनमें भगवान मल्लिनाथ का नाम भी शामिल है।

भिलाई-दुर्ग के दिगंबर जैन मंदिर में आयोजन

भिलाई-दुर्ग सहित ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित जैन मंदिरों में महोत्सव मनाया गया। सुबह 7.30 से दुर्ग के दिगंबर जैन मंदिर में कार्यक्रम शुरू हुआ। सबसे पहले भगवान का अभिषेक हुआ श्रावकों ने संयुक्त रूप से भगवान की वृहद शांतिधारा की और शांतिधारा का वाचन किया। इसके बाद भगवान की पूजा अर्चना का आयोजन हुआ। भगवान मल्लिनाथ की पूजा के साथ उन्हें मोक्ष कल्याणक का अर्ध समर्पण कर पूजा अर्चना की गई। शाम को भगवान की आरती भक्ति का कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसके बाद भगवान के जीवन दर्शन की जानकारी पाठशाला में बच्चों जानकारी दी गई। इसके बाद उनसे प्रश्न भी पूछे गए, जिन बच्चों ने सही जवाब दिया, उन्हें सम्मानित किया गया।

अभिनंदन समारोह

न्यायिक अकादमी की विरासत पर आधारित ई-स्मारिका का हुआ डिजिटल विमोचन

दुर्ग। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा मुख्य न्यायमूर्ति सूर्यकांत के सम्मान में एक गरिमामय अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा, न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा प्रमुख रूप से मौजूद थे। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी की ई-स्मारिका का डिजिटल विमोचन किया। नर्चरिंग द फ्यूचर ऑफ द ज्यूडिशियरी शीर्षक वाली डिजिटल स्मारिका का प्रकाशन 2003 में अपनी स्थापना के बाद से अकादमी की उत्कृष्टता की यात्रा का स्मरण कराती है। हाईकोर्ट बिलासपुर के न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने कहा कि भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत के संवैधानिक मूल्यों तथा न्यायिक निष्पक्षता के प्रति गहन प्रतिबद्धता संपूर्ण न्यायिक समुदाय को प्रेरित करती है। यह छत्तीसगढ़ की न्यायपालिका के लिए गौरव और प्रेरणा के स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि हम आज एक ऐतिहासिक पल के साक्षी हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा यह अवसर सामूहिक गौरव का क्षण है। ये संस्थाओं को एक-दूसरे को गहराई से समझने का अवसर प्रदान करते हैं। ये केवल कृतज्ञता ही नहीं, बल्कि आत्मचिंतन के भी अवसर होते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक न्यायाधीश को अपने दायित्व में एक संरक्षक के रूप में दृढ़ रहना चाहिए। छत्तीसगढ़ नाम का पारंपरिक अर्थ छत्तीस किलों की भूमि माना जाता है। उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से कहा कि ये किले केवल रक्षा संरचनाएं नहीं थे, बल्कि शासन प्रशासन और सामुदायिक जीवन के केंद्र थे। वे केवल सैन्य शक्ति से नहीं बल्कि जिन मूल्यों की रक्षा करते थे उनसे सुदृढ़ बने रहे। इस अवसर पर न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल, न्यायमूर्ति पी. सैम कोशी सहित अन्य मौजूद थे।

सम्मान

चेंबर के अध्यक्ष अनूप को मंत्री नेताम ने किया सम्मानित

दुर्ग। दुर्ग के रुआबांधा सेक्टर में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय एवं छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम के संयुक्त तत्वावधान में स्थापित साथी बाजार के भूमिपूजन कार्यक्रम में चेंबर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष अनूप गटागट का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में कृषि मंत्री रामविचार नेताम, शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, विधायक ललित चंद्राकर, खादी ग्रामोद्योग के अध्यक्ष राकेश पांडे, बीजेपी के जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक प्रमुख रूप से मौजूद थे। गटागट ने मंत्री रामविचार नेताम के हाथों सम्मान ग्रहण किया। उन्हें शाल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।

मंत्री ने उनके उत्कृष्ट नेतृत्व, व्यापारिक हितों के संरक्षण एवं संगठन को सशक्त बनाने में दिए गए योगदान की सराहना करते हुए कहा कि चैंबर का सक्रिय सहयोग क्षेत्रीय विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू, बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, गजेन्द्र चंद्राकर, संजय सिंह, चेंबर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतीश समर्थ, सुदीप सनातनी, नीतू श्रीवास्तव सहित अन्य मौजूद थे। सतीश समर्थ ने कहा कि कार्यक्रम किसान सशक्तिकरण एवं महिला आत्मनिर्भरता का ऐतिहासिक दिन बन गया। साथी बाजार के माध्यम से किसानों को सीधा विपणन मंच प्राप्त होगा। स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को अपने उत्पादों के विक्रय का सशक्त अवसर मिलेगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि एवं आर्थिक सुदृढ़ता को बल मिलेगा।

छत्तीसगढ़ पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज़ का वार्षिक राज्य सम्मेलन

पीयूसीएल के सम्मेलन में वार्षिक कार्ययोजना पर की चर्चा संगठन की मजबूती के लिए मुहिम चलाने लिया निर्णय

कार्नर न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज का वार्षिक राज्य सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में राज्य के सभी संभागों से संगठन के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य पिछले वर्ष के कार्यों की समीक्षा करना, वर्तमान राजनीतिक-सामाजिक परिस्थितियों का विश्लेषण करना तथा आने वाले समय के लिए दिशा और कार्ययोजनाएँ तय करना था। कार्यक्रम का संचालन दीपक साहू ने किया। अध्यक्ष जूनस तिरकी ने स्वागत भाषण दिया। महासचिव कलादास डहरिया ने वर्षभर के कार्यों और संगठन द्वारा किए गए हस्तक्षेपों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। आर्थिक रिपोर्ट भी पेश की गई। विभिन्न जिलों की इकाइयों दुर्ग, बस्तर, रायपुर, और सरगुजा से आए साथियों ने अपनी-अपनी गतिविधियों और स्थानीय चुनौतियों पर रिपोर्ट साझा की।

पीयूसीएल की भूमिका पर चर्चा

राष्ट्रीय महासचिव कविता श्रीवास्तव ने राज्य और देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और संविधानिक अधिकारों के सवालों पर जनसंगठनों की भूमिका पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने पीयूसीएल की भूमिका को जनता के मौलिक अधिकारों की रक्षा और हिंसा तथा अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने के रूप में मजबूत करने की अपील की।

मानवाधिकार के मुद्दों को उठाएगा संगठन

सम्मेलन में मानवाधिकार और जनसरोकारों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई। छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक संसाधनों पर तेजी से बढ़ते निजी नियंत्रण और दोहन, बस्तर में जारी नक्सल-मुक्त अभियानों के मानवीय प्रभाव, अल्पसंख्यकों पर हमले, नए श्रम कोड्स के प्रभाव, न्यायपालिका एवं सत्ता द्वारा महिलाओं के मुद्दों की समझ जैसे विषय प्रमुख रहे। इस सत्र में अधिवक्ता शालिनी गेरा ने न्यायिक प्रक्रिया के माध्यम से संघर्ष की दिशा पर बात की और राज्य में न्यायपालिका के कामकाज की स्थिति का गहन विश्लेषण प्रस्तुत किया। प्रमुख रूप से अधिवक्ता प्रियंका शुक्ला, सुरेंद्र मोहन्ती, समा, केशव, प्रसाद राव, कल्याण पटेल, तुहीन देव सहित अन्य मौजूद थे।

सिटी स्पोर्ट्स

किवनूर के 210 से रायपुर की स्थिति मजबूत, भिलाई 305 रनों से पीछे

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित सीनियर एलीट ग्रुप इंटर डिस्ट्रिक्ट मल्टी डे टूर्नामेंट में रविवार को रायपुर और भिलाई के मध्य मैच कांकेर में खेला गया। रायपुर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। रायपुर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 179 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 509 रन बनाए। रायपुर की ओर से किवनूर सिंह छाबड़ा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 210 रन बनाए। किवनूर की इस पारी से रायपुर को अच्छी बढ़त मिली। 210 रनों के सहयोग से टीम मजबूत स्थिति में पहुंची। इसके अलावा अनुराग साहू ने भी 71 रन का योगदान दिया। उनके अतिरिक्त अनुज तिवारी ने 56 रन व ऋशि शर्मा ने 54 रन बनाए। वहीं भिलाई की ओर से हर्ष शर्मा तथा और ध्रुव ने 2-2 विकेट हासिल किए। तीसरे दिन की समाप्ति तक भिलाई ने अपनी पहली पारी में 81 ओवरों में 6 विकेट खोकर 204 रन बनाए। भिलाई की ओर से संजीत देसाई ने नाबाद 61 रन व हर्ष शर्मा ने 33 रन बनाए। वहीं रायपुर की ओर से गगनदीप सिंह ने 3 विकेट तथा आयुष ठाकुर ने 2 विकेट प्राप्त किए। तीसरे दिन की समाप्ति तक भिलाई 305 रनों से पीछे है।

टेबल टेनिस में ऋषभ और शिवम की जोड़ी विजेता

रायपुर। टेबल टेनिस संघ, जिला रायपुर द्वारा सप्रे शाला टेबल टेनिस हॉल में जिले के समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय, सार्वजनिक संस्थान, प्रतिष्ठित संस्थान, निजी संस्थान के कर्मचारियों व प्रोफेशनल्स सीए, डॉक्टर, वकील, पत्रकार, प्रशिक्षक आदि के लिए आयोजित पं. विद्याचरण शुक्ल स्मृति द्वितीय रायपुर जिला अंतर संस्थान युगल लीग टेबल टेनिस प्रतियोगिता संपन्न हुई। सचिव विनय बैसवाड़े ने बताया कि युगल वर्ग में (लक्ष्मी एग्रोटेक) एवं शिवम सिंह (एस एकेडमी) की जोड़ी विजेता बनी। प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि गरियाबंद जिला टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष प्रदीप वर्मा रहे। अध्यक्षता छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के सहसचिव विमल नायर ने की। मंच पर छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के तकनीकी समिति के चेयरमैन अरविंद कुमार शर्मा व आयोजन सचिव विनय बैसवाड़े उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अजीत बेनर्जी ने किया। युगल वर्ग में विजेता ऋषभ नागवानी (लक्ष्मी एग्रोटेक) व शिवम सिंह (सुभाष स्टेडियम सेंटर), उपविजेता- निखिल बानी (बानी डेकोर) एवं निशांत कानूगा (पुखराज कानूगा ज्वेलर्स) रहे। प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक राष्ट्रीय अंपायर पुलकित यदु थे। इस अवसर पर जीएल अग्रवाल, गिरिराज बागड़ी, डा. शिरीष यदु, पीएन मजूमदार, सुश्री दिव्या आमदे, सुश्री शिवानी पांडे, प्रदीप दासगुप्ता, डा. अविनाश इंगले, जेएम राठोड़ एवं अन्य सदस्य, खिलाड़ी उपस्थित थे।

स्ट्रेंथ लिफ्टिंग में 74 साल की कमला बनीं स्ट्रांग वूमेन

रायपुर। चंदूलाल साहू की स्मृति में 7वीं छग पॉवर लिफ्टिंग व स्ट्रेंथ लिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन पुरानी बस्ती में किया गया। छग पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन के महासचिव मानिक ताम्रकार ने बताया कि स्ट्रेंथ लिफ्टिंग में छग पुलिस की माधुरी सोनवानी स्ट्रांग वूमेन एवं पॉवर लिफ्टिंग में अंजना सिंह, मनेंद्रगढ़ की 74 साल की कमला देवी मंगतानी मास्टर वर्ग में स्ट्रांग वूमेन बनीं, जबकि पुरुष वर्ग में दल्ली राजहरा के सागर यादव ने स्ट्रांगमैन पर कब्जा जमाया। सब जूनियर वर्ग में आशीष यादव रायपुर को स्ट्रांगमैन का खिताब दिया गया। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि ब्राह्मण पारा वार्ड के अजय साहू एवं प्रोटीन विला के डायरेक्टर दुर्गेश साहू ने सभी विजयी खिलाड़ियों क्रमशः प्रथम 4000, द्वितीय 3000, तृतीय 2500 रुपए नकद राशि एवं मेडल से सम्मानित किया। सभी स्ट्रांगमैन, वूमेन को प्रोटीन विला के तरफ से आकर्षक कप के साथ 1500 रुपए नकद ईनाम भी दिया गया। कुल टोटल 2 लाख रुपए कैश बांटे गए। छत्तीसगढ़ में पहली बार इतनी राशि पॉवर लिफ्टर्स को मिली। प्रतियोगिता में सभी प्रथम विजयी खिलाड़ी 1 से 4 अप्रैल तक आयोजित नेशनल पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप आगरा में भाग लेंगे। विजयी और चयनित खिलाड़ी में आशीष निषाद, देवेंद्र चौरका, नरेंद्र निषाद, यश सोनी, वेदांत साहू, हिमांशु सागर, सत्यजीत पृष्टि, रोहन तिवारी, जयनारायण अग्रवाल, योगेंद्र साहू शामिल हैं।

बिना ब्रांड और बिना लेबल वाले उत्पादों में मिलावट का रिस्क सबसे ज्यादा

होली : चमकदार रंगों की चमक सेहत पर न पड़े भारी, मिलावटी रंगों से बचने के आसान तरीके

होली का त्योहार करीब आते ही बाजार रंगों से सज जाते हैं, लेकिन हर चमकदार दिखने वाला रंग आपकी सेहत के लिए सुरक्षित नहीं होता। मुनाफाखोरी के चलते कई जगहों पर सिंथेटिक और केमिकल बेस्ड रंग, अबीर और गुलाल बेचे जा रहे हैं, जो त्वचा और आंखों को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स ने लोगों को सावधान रहने और सुरक्षित रंगों के इस्तेमाल की सलाह दी है।

मिलावटी रंगों में होते हैं खतरनाक केमिकल

रंगों को सस्ता और आकर्षक बनाने के लिए उनमें इंडस्ट्रियल डाई, सिंथेटिक पिगमेंट और सस्ते फिलर्स मिलाए जाते हैं। वॉल्यूम बढ़ाने के लिए टैल्क, चॉक पाउडर या स्टार्च का इस्तेमाल किया जाता है। ये पदार्थ स्किन पर रगड़ के दौरान जलन और खुजली पैदा कर सकते हैं। लोकल स्तर पर तैयार होने वाले रंगों में क्वालिटी कंट्रोल न के बराबर होता है, जिससे रिस्क और बढ़ जाता है।

चमकदार रंग बनाने वाले केमिकल्स से ऐसे बचें

रंगों को गहरा और टिकाऊ बनाने के लिए लेड ऑक्साइड, क्रोमियम कम्पाउंड्स, कॉपर सल्फेट और मरकरी बेस्ड पिगमेंट जैसे खतरनाक केमिकल मिलाए जाते हैं। ये केमिकल्स स्किन इरिटेशन, ब्लिंडिंग सेंसेशन और एलर्जिक रिएक्शन का कारण बनते हैं। आंखों में जाने पर रेडनेस, वाटरिंग और इन्फेक्शन का खतरा रहता है। विशेषज्ञों के मुताबिक बहुत ज्यादा चमकदार या असामान्य रूप से तेज रंगों से दूरी बनाना ही बेहतर है।

अबीर-गुलाल में भी हो सकती है मिलावट

आमतौर पर अबीर और गुलाल को सुरक्षित माना जाता है, लेकिन इनमें भी मिलावट आम है। सस्ता गुलाल तैयार करने में सिंथेटिक डाई, कृत्रिम सुगंध और पाउडर फिलर्स का यूज किया जाता है। नेचुरल दिखाने के लिए हल्के पाउडर में केमिकल रंग मिलाकर बाजार में उतार दिया जाता है। ये गुलाल पसीने या पानी के संपर्क में आते ही जलन पैदा कर सकता है।

होली के बाद अस्पतालों में बढ़ जाते हैं मरीज

डॉक्टर्स के मुताबिक होली के बाद ओपीडी में स्किन एलर्जी, आंखों में जलन और इन्फेक्शन के केस तेजी से बढ़ जाते हैं। बच्चों और सेंसिटिव स्किन वालों में रिएक्शन ज्यादा देखने को मिलता है। कई मरीजों में कॉन्टैक्ट डर्मेटाइटिस और कंजक्टिवाइटिस जैसी समस्याएं सामने आती हैं। चिकित्सकों का कहना है कि अबीर-गुलाल में मिलावट से चेहरे को नुकसान पहुंच सकता है, इसलिए रंगों का इस्तेमाल सोच-समझकर करना चाहिए।

ऐसे करें सुरक्षित रंगों की पहचान और बचाव

फूड सेफ्टीअफसरों और केमिकल एक्सपर्ट्स के अनुसार सुरक्षित रंग चुनने में कुछ आसान सावधानियां मददगार हो सकती हैं:

बहुत ज्यादा चमकदार, तेज गंध वाले या असामान्य रूप से सस्ते रंगों से बचें। ब्रांडेड और लेबल वाले उत्पाद ही खरीदें। ड्राई रंगों की जगह हर्बल या नेचुरल बेस्ड रंग चुनें। रंग खेलने से पहले स्किन पर मॉइस्चराइजर या ऑयल लगाएं। आंखों की सुरक्षा का खास ध्यान रखें। खेलने के बाद तुरंत साफ पानी से धोएं। समस्या होने पर डॉक्टर से संपर्क करें।

बदलते मौसम में बच्चों को जुखाम-बुखार से सुरक्षित रखने के लिए अपनाएं घरेलू तरीके

बदलते मौसम के दौरान बच्चों को जुखाम-बुखार होने का खतरा ज्यादा होता है। इस समय तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण हवा में मौजूद कीटाणु तेजी से पनपने लगते हैं। ये कीटाणु बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर उन्हें खांसी-जुकाम, बुखार और सांस की समस्याओं का शिकार बना सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताने वाले हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने बच्चों को जुखाम-बुखार से सुरक्षित रख सकते हैं और उनके स्वास्थ्य का ध्यान रख सकते हैं।

खान-पान पर दें ध्यान : बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने के लिए उन्हें पौष्टिक डाइट दें। इसके लिए उन्हें हरी सब्जियां, ताजे फल, दाल, साबुत अनाज, सूखे मेवे और दूध का सेवन कराएं। इसके अलावा उन्हें समय-समय पर पर्याप्त मात्रा में पानी पिलाना भी न भूलें। इससे उनके शरीर के जहरीले तत्व बाहर निकल जाएंगे और उनका शरीर हाइड्रेट बना रहेगा। इसके अलावा उन्हें बाहर का खाना खिलाने से परहेज करें, जो बीमारियों का घर होता है।

खाने से पहले हाथ धोना है जरूरी : बच्चों को जुखाम-बुखार से सुरक्षित रखने के लिए उन्हें नियमित रूप से हाथ धोने की आदत डालें। इसके लिए उन्हें खाना खाने से पहले और बाद में, बाथरूम का उपयोग करने के बाद और किसी भी चीज को छूने के बाद साबुन और पानी से हाथ धोने के लिए कहें। उन्हें बाहर खेलते समय या किसी भी अन्य काम के बाद हाथों को साफ करने के लिए बोलें। इससे उनके हाथों पर कीटाणु नहीं जमेंगे और वे स्वस्थ रहेंगे।

हाइड्रेटेड भरपूर पानी व जूस-छाछ पिलाएं : बच्चों को हाइड्रेटेड रखना भी जुखाम-बुखार से सुरक्षित रखने का एक अहम तरीका है। इसके लिए बच्चों को पर्याप्त मात्रा में पानी पिलाएं। इसके साथ ही नारियल पानी, ताजे फलों का रस और छाछ जैसे तरल पदार्थों का सेवन कराएं। यह न केवल उनकी प्यास बुझाएगा, बल्कि उनके शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में भी मदद करेगा। हाइड्रेशन से बच्चों की त्वचा भी स्वस्थ रहती है और उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है।

केसर बढ़ा देता है किसी भी चीज का स्वाद, होते हैं एंटी-ऑक्सीडेंट

केसर को सबसे महंगा मसाला माना जाता है। यह न केवल खाने में स्वाद बढ़ाने के लिए उपयोग होता है, बल्कि कई पेय में भी मिलाया जाता है। यह एंटी-ऑक्सीडेंट और सूजन कम करने वाले गुणों से भरपूर होता है और कई औषधीय फायदे देता है। आइए आज हम आपको ऐसे केसर युक्त पेय की रेसिपी बताते हैं, जो सर्दियों के दौरान गर्माहट देने में काफी मदद कर सकते हैं और गर्मियों में ताजगी प्रदान कर सकते हैं।

केसर वाला दूध : केसर वाला दूध एक पारंपरिक और पौष्टिक पेय है, जो सर्दियों में खास तौर से पिया जाता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले दूध को उबालें, फिर उसमें थोड़ी-सी केसर डालें और अच्छे से मिलाएं। अब इसमें स्वादानुसार चीनी या शहद मिलाएं और इसे धीमी आंच पर कुछ मिनट तक पकने दें। इस पेय को हल्दी और इलायची के साथ भी बनाया जा सकता है, जिनके जरिए इसका स्वाद और पोषण बढ़ जाता है।

केसर की चाय : केसर की चाय एक खास और सेहतमंद पेय है, जिसका स्वाद चखते ही मन तृप्त हो जाता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पानी को उबालें, फिर उसमें केसर की पत्तियां डालें और कुछ मिनट तक पकने दें। अब इसमें चायपत्ती डालें और अच्छी तरह से उबाल आने दें। इसके बाद छानकर इसमें चीनी या शहद मिलाएं। आप चाहें तो इस चाय में दूध भी शामिल कर सकते हैं और अदरक भी मिला सकते हैं।

केसर का लस्सी : केसर का लस्सी एक ताजगी भरा पेय है, जो पेट को ठंडा रखता है और सर्दियों में भी पीने में लाजवाब लगता है। इसे बनाने के लिए दही को फेंट लें, फिर उसमें थोड़ी-सी केसर की पत्तियां डालें और मथनी से मिलाएं। अब इसमें चीनी या शहद डालकर कुछ देर और फेंट लें। आप चाहें तो इसमें बर्फ भी डाल सकते हैं, जिससे इसका स्वाद और भी बढ़ जाएगा। जब झाग आने लग जाए तो इस पेय को परोसें।

केसर का शरबत : केसर का शरबत एक ताजगी भरा पेय है, जो गर्मियों में ठंडक देने के साथ-साथ सर्दियों में आराम भी देता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पानी को उबालें, फिर उसमें चीनी या शहद मिलाएं।

नवजात शिशु को पेट के बल लिटाने से मिलते हैं कई फायदे, टमी टाइम एक बेहद प्रक्रिया जरूरी

शिशु के जन्म के बाद माता-पिता उसकी हर छोटी बात का ख्याल रखते हैं। बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए 'टमी टाइम' एक बेहद जरूरी प्रक्रिया है। इसका अर्थ है कि जब बच्चा हिलने-डुलने लगे तथा वो जाग रहा हो, तो उसे कुछ देर के लिए पेट के बल लिटाया जाए। एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह सरल अभ्यास बच्चे की गर्दन, कंधे और रीढ़ की हड्डियों को मजबूती देता है। समय पर टमी टाइम शुरू करने से बच्चा जल्दी पलटना, बैठना और रेंगना सीखता है।

गर्दन और कंधों की मांसपेशियों में आती है मजबूती

जब शिशु पेट के बल लेटता है, तो वह सिर उठाने की कोशिश करता है। अपने हाथों के सहारे ऊपर उठने का प्रयास उसकी मांसपेशियों को सक्रिय करता है। शुरुआत में बच्चा केवल कुछ सेकंड के लिए सिर उठा पाता है। नियमित अभ्यास से उसकी पीठ और कंधों की ताकत धीरे-धीरे बढ़ जाती है। यह विकास बच्चे को भविष्य में शारीरिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

सिर को चपटा होने से बचाने में है मददगार

अक्सर बच्चे लंबे समय तक पीठ के बल लेटे रहते हैं। इससे उनके सिर का पिछला हिस्सा चपटा होने का डर रहता है। टमी टाइम इस दबाव को कम करता है और सिर के प्राकृतिक आकार को बनाए रखता है। इसके अलावा, पेट के बल रहने से बच्चे की मोटर स्किल्स बेहतर होती हैं। वह खिलौनों की ओर बढ़ने और आसपास की चीजों को देखने के लिए प्रेरित होता है।

पाचन क्रिया में सुधार और गैस से राहत

छोटे बच्चों में गैस और कब्ज की समस्या काफी आम होती है। टमी टाइम के दौरान पेट पर हल्का दबाव पड़ता है। यह दबाव प्राकृतिक रूप से गैस निकालने में मदद करता है। इससे शिशु को पेट की परेशानी में काफी राहत मिलती है। साथ ही, पेट के बल लेटने से बच्चे का दुनिया को देखने का नजरिया बदलता है, जिससे उसकी मानसिक सजगता बढ़ती है।

टमी टाइम के दौरान बरतें ये जरूरी सावधानियां

शिशु को टमी टाइम करवाते समय हमेशा अपनी निगरानी में रखें। उसे कभी भी अकेला न छोड़ें। शुरुआत दिन में 2-3 बार, केवल 3-5 मिनट से करें। जब बच्चा खुश और पूरी तरह जाग रहा हो, तभी उसे पेट के बल लिटाएं। याद रखें, सोते समय बच्चे को हमेशा पीठ के बल ही सुलाना चाहिए। अगर बच्चा रोने लगे, तो उसके सीने के नीचे नरम तौलिया रखकर उसे आरामदायक महसूस कराएं।

कार्नर न्यूज

आपको बता देंगे कि बढ़ रही है गड़बड़ी

दिखने लगते हैं थायरॉयड के ये लक्षण, नजरअंदाज करना पड़ सकता है भारी

शरीर कई बार आंतरिक गड़बड़ियों के संकेत खुद देने लगता है, बस जरूरत होती है उन्हें पहचानने की। थायरॉयड की समस्या भी धीरे-धीरे बढ़ती है और पूरे शरीर पर असर डालती है। गले में स्थित यह तितली के आकार की ग्रंथि शरीर के मेटाबॉलिज्म को कंट्रोल करती है। जब यह ठीक से काम नहीं करती, तो कुछ खास लक्षण दिखने लगते हैं। आइए जानते हैं उन संकेतों के बारे में जो थायरॉयड बढ़ने की ओर इशारा करते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर शरीर में ये बदलाव महसूस हों तो तुरंत जांच करानी चाहिए।

सामान्य मौसम में भी ज्यादा ठंड लगना

एस्प्रेसोको हेल्थ रिपोर्ट के अनुसार, अगर मौसम सामान्य है लेकिन आपको दूसरों की तुलना में ज्यादा ठंड महसूस हो रही है, तो यह मेटाबॉलिज्म के धीमा पड़ने का संकेत है। थायरॉयड हार्मोन कम होने पर शरीर कम ऊर्जा बनाता है, जिससे ठंड ज्यादा लगती है।

ध्यान लगाने में दिक्कत और भूलने की समस्या

बार-बार भूलना,फोकस न कर पाना या दिमाग सुस्त महसूस होना भी थायरॉयड की गड़बड़ी का लक्षण हो सकता है। हार्मोन असंतुलन सीधे दिमागी काम करने की क्षमता को प्रभावित करता है।

महिलाओं में पीरियड्स से जुड़ी समस्याएं

महिलाओं में पीरियड्स का ज्यादा आना, अनियमित होना या सामान्य से भारी ब्लीडिंग होना थायरॉयड असंतुलन से जुड़ा हो सकता है। हार्मोनल गड़बड़ी का सीधा असर पीरियड्स साइकिल पर पड़ता है।

बिना वजह वजन बढ़ना

अगर खान-पान और जीवनशैलीमें कोई खास बदलाव नहीं है, फिर भी वजन तेजी से बढ़ रहा है, तो यह धीमे मेटाबॉलिज्म की ओर इशारा है। थायरॉयड हार्मोन कम होने पर शरीर कैलोरी को धीरे-धीरे जलाता है।

त्वचा का रूखा और बेजान होना

त्वचाका ड्राई और बेजान हो जाना, बालों का खुरदुरा और रूखा होना भी थायरॉयड असंतुलन के लक्षण हो सकते हैं।

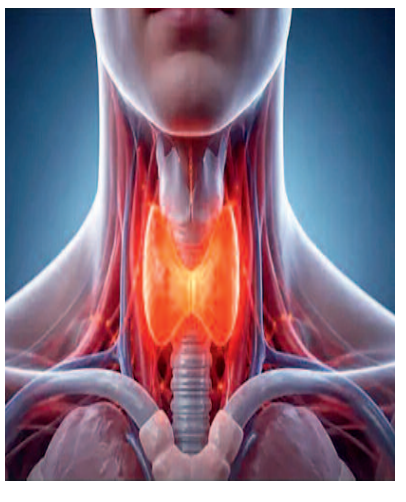

इन लोगों को थायरॉयड का खतरा ज्यादा?

क्लीवलैंड क्लिनिक केअनुसार, थायरॉयड का खतरा कुछ लोगों में ज्यादा होता है। महिलाओं में यह समस्या पुरुषों की तुलना में कई गुना अधिक देखी जाती है। अगर परिवार में पहले से किसी को यह समस्या रही हो, 60 वर्ष से अधिक उम्र हो, टर्नर सिंड्रोम हो या सिर-गर्दन पर रेडिएशन थेरेपी ले चुके हों तो जोखिम बढ़ जाता है।

डॉक्टर के पास कब जाएं? अगर ये लक्षण कई हफ्तों से बने हुए हैं या धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं, तो तुरंत टीएसएच, टी3, टी4 की जांच करवाएं। समय रहते इलाज शुरू हो जाए तो थायरॉयड को आसानी से कंट्रोल किया जा सकता है। इलाज में देरी से यह हार्ट, वजन, मानसिक स्वास्थ्य और प्रजनन क्षमता को भी प्रभावित कर सकता है। शरीर के इन संकेतों को हल्के में न लें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

बाफ्टा के मंच पर प्रिंस विलियम ने की डेम डोना लैंगली की तारीफ

बाफ्टा अवॉर्ड्स 2026 में प्रिंस विलियम ने अपनी पत्नी केट मिडलटन के साथ शिरकत की। इस दौरान प्रिंस विलियम का भावुक भाषण चर्चा का विषय बना

हुआ है। रविवार रात लंदन में हुए बाफ्टा फिल्म पुरस्कार की रेड कार्पेट पर कई दिग्गज फिल्मी हस्तियों ने शिरकत की। लेकिन इन फिल्मी हस्तियों से इतर रॉयल परिवार से प्रिंस विलियम और राजकुमारी केट मिडलटन भी बाफ्टा के रेड कार्पेट पर नजर आए। इस दौरान प्रिंस विलियम स्टेज पर अवॉर्ड प्रेजेंट करने भी पहुंचे। जहां उन्होंने मंच से स्पीच भी दी। बाफ्टा की रेड कार्पेट पर प्रिंस विलियम बरगंडी रंग की मखमली जैकेट में नजर आए। इसके साथ उन्होंने एक क्लासिक काली टाई पहनी थी। जबकि केट मिडलटन ने फर्श तक लंबी गुलाबी गुच्ची ड्रेस पहनी थी। दोनों ने साथ-साथ रेड कार्पेट पर वॉक किया। हालांकि, कपल ने रेड कार्पेट के दौरान मीडिया से बात करने से परहेज किया और सीधे रॉयल फेस्टिवल हॉल में प्रवेश किया। प्रिंस विलियम साल 2010 से बाफ्टा के अध्यक्ष हैं। प्रिंस विलियम ने बाफ्टा के मंच पर आकर डेम डोना लैंगली को बाफ्टा फेलोशिप का अवॉर्ड भी दिया। इस दौरान प्रिंस विलियम ने एक इमोशनल स्पीच भी दिया। अपने बारे में बात करते हुए प्रिंस ने कहा कि मुझे काफी शांत रहने की जरूरत है और मैं इस समय शांत नहीं हूं। मैं इसे बाद में बताऊंगा।

टॉलीवुड

'टॉक्सिक' में करमाडी के किरदार में नजर आएंगे सुदेव

फिल्म 'टॉक्सिक' के टीजर में यश के ट्रांसफॉर्मेशन की चर्चा जोरो पर है। फिल्म में दोहरी भूमिका निभा रहे यश का 'टिकिट' के किरदार का एक बीटीएस

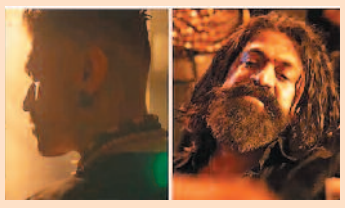

वीडियो सामने आया है, जो फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है। निर्माताओं ने 'टॉक्सिक' से करमाडी के किरदार में सुदेव नायर का लुक जारी किया है। पहले यश को राया के रूप में दाढ़ी के साथ दिखाया गया था, जो काफी ध्यान खींच रहा था। अब एक वायरल बिहाइंड-द-सीन वीडियो में यश को स्टाइलिस्ट के साथ मेकओवर लेते हुए देखा जा सकता है। इसमें वे घनी दाढ़ी से हटकर पूरी तरह क्लीन-शेव लुक में नजर आ रहे हैं। यश का यह लुक फैंस के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। पोस्टर और टीजर से लगता है कि यश फिल्म में दो अलग-अलग भूमिकाएं निभा सकते हैं। यह क्लीन-शेव लुक खास इसलिए है क्योंकि लगभग 10 साल बाद (2016 की फिल्म 'संथु स्ट्रेट फॉरवर्ड' के बाद) यश इस तरह दिख रहे हैं। KGF सीरीज के बाद उनका दाढ़ी वाला दमदार लुक बहुत पॉपुलर हो गया था, इसलिए यह बदलाव फिल्म की कहानी में बड़ा ट्विस्ट दिखा सकता है। निर्देशक गीतु मोहनदास की इस एक्शन फिल्म में अब सुदेव नायर का पहला लुक भी सामने आ गया है। निर्माताओं ने सोमवार को उनका पोस्टर जारी किया। सुदेव फिल्म में करमाडी नाम का किरदार निभा रहे हैं। पोस्टर में वे बहुत पावरफुल और डरावने अंदाज में दिख रहे हैं। हाथ में बंदूक लिए, मूंछें रखे हुए, चश्मा और बेरेट टोपी के साथ रेट्रो स्टाइल में सुदेव का स्टाइल अनोखा है। उनके पीछे पुरानी कार और धमाकों से धुआं उठता हुआ नजर आ रहा है।

भोजपुरी

पत्नी से कभी नहीं हो सका प्यार, गिल्ट होता है : निरहुआ

भोजपुरी के जाने-माने एक्टर-सिंगर निरहुआ उर्फ दिनेश लाल यादव अपने काम के कारण ज्यादा सुर्खियों में रहते हैं। मगर इस बार वह अपनी पर्सनल लाइफ की

वजह से खबरों में छाए हुए हैं। उन्होंने एक पॉडकास्ट में अपनी शादी, बच्चों और माता-पिता के बारे में बात की है। उन्होंने ने खुलासा किया कि उनकी जबरन शादी करवाई गई थी। वह करना नहीं चाहते थे। भोजपुरी स्टार ने बताया, 'मैं बोला कि ये मेरे साथ नहीं हो पाया। मैंने जीवन में प्रेम नहीं किया और इस बात को मैं उनसे कहा क्योंकि बच्चों से आप झूठ बोलकर क्या करेंगे? मैंने उनकी मां से भी कहा कि आपसे प्रेम नहीं हो पाया मुझे। कभी नहीं हो पाया। हां वो फर्ज है कि मां-बाप ने किया है, तो वो फर्ज निभाना है। तो मैं निभा रहा हूं। मुझे गिल्ट होता है और इसीलिए मैं अपने बच्चों के साथ वो नहीं करूंगा। मैं अपने बच्चों के साथ ये नहीं करूंगा कि मैं उनको कहूं कि नहीं तुमको यही करना है। ऐसे करना है या अपनी किसी इच्छा की वजह से।' निरहुआ के पिता का नाम कुमार यादव और मां का नाम चंद्रज्योति यादव है। उनके भाई का नाम प्रवेश लाल यादव और बहन का नाम ललिता यादव है। उन्होंने 2000 में मनसा यादव से शादी की थी और दो बेटे आदित्य और अमित यादव के पिता बने थे। साथ ही बेटी अदिति भी हुई थी। उनका नाम अक्सर आम्रपाली दुबे के साथ जुड़ता रहता है। जबकि वह दोनों असल में अच्छे दोस्त हैं। निरहुआ के बड़े बेटे चेन्नई में डायरेक्शन का कोर्स कर रहे हैं और छोटे बेटे विस्लिन वुड्स में एक्टिंग का कोर्स कर रहे हैं। अब एक्टर ने 'डिजिटल कमेंट्री' के पॉडकास्ट में अपने दोनों बेटों के बारे में बात की। कहा, 'मैंने उन दोनों से पूछा पहले कि आप किस फील्ड में जाना चाहते हैं क्योंकि मैं थोपूंगा नहीं। आपको क्या चाहिए, आप वो बताओ। तो उन्होंने कहा कि हमको डायरेक्शन करना है बड़े बेटे ने। तो वो डायरेक्शन में चले गए। और छोटे बेटे ने कहा कि मुझे एक्टर बनना है।

दीपिका पादुकोण बॉडीकॉन गाउन में नजर आ रही हैं। उसने अपने ऑल-ब्लैक लुक से फैंस को दीवाना बना दिया है। दीपिका ने डायमंड का नेकलेस और ईयरिंग्ल कैरी किए हैं, जो उनकी पर्सनेलिटी को और दिलकश बना रहे हैं। दीपिका ने मशहूर डिजाइनर गौरव गुप्ता का डिजाइन किया हुआ आउटफिट पहना है। दीपिका ने इस लुक में जो हीरे का हार और ईयरिंग्स पहने हैं, वे काफी खूबसूरत हैं और उन्हें यूनिक लुक दे रहे हैं। उनके फैंस को दीपिका की ज्वेलरी भी खूब पसंद आ रही है।

दीपिका के ऑल ब्लैक लुक ने जीता दिल

शादी के लिए दुल्हन चुनें ऐसी खूबसूरत हेयर स्टाइल, मिलेगा बेहद शाही लुक, सब करेंगे तारीफ

शादी का दिन हर महिला के लिए खास होता है और इस दिन हर महिला चाहती है कि वह सबसे खूबसूरत दिखे। इसके लिए सिर्फ कपड़े और मेकअप ही नहीं, बल्कि बालों का स्टाइल भी अहम भूमिका निभाता है। सही हेयर स्टाइल आपके लुक को और भी खास बना सकता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे हेयर स्टाइल्स के विकल्प बताएंगे, जो आपको शादी के दिन आपको बेहद आकर्षक दिखा सकते हैं।

फूलों से सजा जूड़ा : फूलों से सजा जूड़ा हमेशा से ही भारतीय दुल्हनों के बीच लोकप्रिय रहा है। यह न केवल पारंपरिक लगता है, बल्कि बहुत सुंदर भी दिखता है। आप अपने बालों में गुलाब, मोगरा या चमेली के फूल लगा सकती हैं। इनसे आपका लुक और भी खास हो जाएगा। पहले बाल समेत कर पीछे एक टाइट जूड़ा बना लें, फिर आगे से अपनी मन चाही हेयर स्टाइल कर लें। अब जूड़े के साइड में या बीचों बीच अपनी पसंद के फूल लगाएं।

लू जूड़ा : अगर आपके बाल लंबे हैं तो आप लू जूड़े का विकल्प अपना सकती हैं, जो ज्यादा टाइट नहीं होता है। इसमें जूड़ा ढीला और थोड़ा नीचे की ओर बनाया जाता

है, जिससे बाल खींचते नहीं हैं। आप इसे अपनी पसंद के स्टाइल में बनवा सकती हैं, जो आपके लहंगे से मेल खाता हो। इसमें भी आप फूल या मोती जैसी हेयर एक्सेसरी लगा सकती हैं। इससे हेयर स्टाइल की शोभा बढ़ जाएगी और आप शाही लगेंगी।

गुथी हुई चोटी : इन दिनों ज्यादातर महिलाएं जूड़े के बजाय गुथी हुई चोटी बनवाना ज्यादा पसंद कर रही हैं। इसमें सिरदर्द की समस्या पैदा नहीं होती है और बेहद खूबसूरत पारंपरिक लुक भी मिल जाता है। आप अपने बालों से ही या फिर नकली बाल जोड़कर लंबी चोटी बनवा सकती हैं।

आधा बांधा हुआ हेयर स्टाइल

आधा बांधा हुआ हेयर स्टाइल एक ऐसा हेयर स्टाइल है, जो हर प्रकार के चेहरे पर अच्छा लगता है। इसमें आपके बालों का आधा हिस्सा ऊपर बांधा जाता है, जबकि नीचे वाला हिस्सा खुला रहता है। यह स्टाइल बहुत ही आकर्षक दिखता है और इसमें आपके बालों की पूरी लंबाई नजर आती है। इस तरह का हेयर स्टाइल बनाने के लिए सबसे पहले बालों को हल्का सा कंघी करें, फिर आधे हिस्से को बांधकर पिन कर दें।

लड़के अगर शादी में जा रहे हैं तो पहन सकते हैं ऐसे कपड़े, लगेंगे सबसे आकर्षक

फैशन

इन दिनों शादी का सीजन चल रहा है, जिस दौरान सभी मेहमान अच्छी तरह तैयार होते हैं। इस दौरान पुरुषों के लिए सही कपड़े चुनना एक चुनौतीपूर्ण काम हो सकता है। पारंपरिक और आधुनिकता का मेल करते हुए आप एक बेहतरीन लुक हासिल कर सकते हैं। इस लेख में हम कुछ ऐसे कपड़ों के सुझाव देंगे, जो आरामदायक होने के साथ-साथ स्टाइलिश भी दिखेंगे। इन आउटफिट में सजकर आप सभी की तारीफें बटोरेंगे।

कुर्ता-पजामा सेट : कुर्ता-पजामा सेट भारतीय शादियों के लिए सबसे सरल और आकर्षक परिधान हो सकता है। यह कई अलग-अलग डिजाइन में उपलब्ध रहता है और हर समारोह के लिए आदर्श रहता है। आप शादी में शिरकर देते समय क्रीम या गोल्डन रंग का कुर्ता पहन सकते हैं, जिस पर सोने या चांदी की कढ़ाई हो। इसके साथ मेल खाता हुआ पजामा पहनें और फिटिंग का खास ख्याल रखें। ज्यादा शाही लुक के लिए आप ऊपर से शॉल या दुपट्टा डाल सकते हैं।

शेरवानी देती है शाही अंदाज : ज्यादातर पुरुष शादियों में शेरवानी पहनना पसंद करते हैं, जो बेहद शाही अंदाज दे सकती है। आप भारी कढ़ाई वाली शेरवानी चुन सकते हैं, जो आपको राजसी लुक देगी। इसके साथ धोती या पजामा पहना जा सकता है, जिससे लुक और भी आकर्षक बन सकता है। अगर आप थोड़ी आधुनिकता चाहते हैं तो प्रिंट वाली शेरवानी का चयन करें, जो पारंपरिक और आधुनिकता का बेहतरीन मेल होगी।इसके साथ मेल खाते जूते और गहने पहनकर लुक को पूरा करें।

स्टाइलिश का विकल्प बंद गला सूट : बंदगला सूट एक स्टाइलिश विकल्प हो सकता है, जो आपको अलग पहचान दिलाएगा। इसमें जैकेट पर भारी कढ़ाई होनी चाहिए, जिससे आपका लुक खास लगेगा। इसके साथ पैंट पहनें, ताकि आपका लुक संतुलित रहे। अगर आप कुछ नया आजमाना चाहते हैं तो सिल्क वाला बंदगला सूट भी अच्छा विकल्प हो सकता है। ध्यान रखें की सूट की फिटिंग अच्छी हो और उस पर शानदार कढ़ाई का काम किया गया हो।

पारंपरिक पहनावा नेहरू जैकेट : नेहरू जैकेट किसी भी पारंपरिक पोशाक के साथ अच्छी लगती है। आप इसे कुर्ता-पजामा या शर्ट-पैंट, दोनों के साथ पहन सकते हैं। नेहरू जैकेट पर हल्की कढ़ाई या बटन डिजाइन होनी चाहिए, जो इसे खास बनाएगी। इसके अलावा आप इसे अलग-अलग रंगों में चुन सकते हैं, जो आपके कुर्ते या शर्ट के साथ मेल खाएंगे। इस जैकेट को लेयर करते समय रंगों के संयोजन और फिटिंग का खास ध्यान रखें।

ऑफिस के लिए बेहतरीन बैग, जो आपको दे सकते हैं ज्यादा स्पेस और स्टाइलिश लुक

ऑफिस में स्टाइलिश दिखना चाहती हैं तो एक अच्छा बैग आपके लुक को पूरा कर सकता है। ये न केवल सामान को व्यवस्थित रखने में मदद करते हैं, बल्कि आपको पेशेवर और आकर्षक दिखाने में भी खासा योगदान दे सकते हैं। सही बैग चुनना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, लेकिन हम आपके लिए यह काम आसान कर देंगे। आज के फैशन टिप्स में हम आपको ऐसे बैग बताएंगे, जो हर ऑफिस के माहौल में फिट बैठेंगे।

चमड़े का बड़ा बैग : चमड़े का बड़ा बैग एक ऐसा विकल्प है, जो कभी भी फैशन से बाहर नहीं होता। यह मजबूत होता है और लंबे समय तक चलता है। चमड़े के बैग में आप अपने लैपटॉप, फाइलें और अन्य जरूरी सामान आसानी से रख सकती हैं। इसके अलावा यह देखने में भी बहुत सुंदर लगता है और हर तरह के कपड़ों के साथ जंचता है। ऑफिस हो या कोई मीटिंग, चमड़े का बड़ा बैग हर मौके पर आपको स्टाइलिश दिखाएगा।

कपड़े का बैग

अगर आप रोजमर्रा के उपयोग के लिए एक आरामदायक और टिकाऊ बैग ढूंढ रही हैं तो कपड़े का बैग एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। यह हल्का होता है और इसमें कई जेबें होती हैं, जिसमें आपका सामान आसानी से व्यवस्थित रहता है। इसके अलावा कपड़े का बैग देखने में भी अच्छा लगता है और इसे आप किसी भी कपड़े के साथ कैरी कर सकती हैं। आप कपड़े से बना टोट बैग चुन सकती हैं।

छोटा पाउच बैग

अगर आपको सिर्फ जरूरी सामान साथ ले जाना है तो छोटा पाउच बैग एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसमें आपका फोन, पर्स और कुछ छोटे-मोटे आइटम आसानी से समा सकते हैं। छोटा पाउच बैग देखने में भी बहुत आकर्षक होता है और इसे आप आसानी से अपने बड़े बैग में रख सकती हैं या हाथ में लेकर चल सकती हैं। यह आपके लुक को तो खास बनाएगा ही, साथ ही काफी सुविधाजनक भी होगा।

साधारण साड़ियों के साथ अच्छे लगते हैं भारी ब्लाउज, पहनकर मिल जाएगा खूबसूरत लुक

भारतीय महिलाएं पारंपरिक कपड़ों में बहुत रुचि रखती हैं। इनमें से सबसे लोकप्रिय पोशाक साड़ी ही है। साड़ी के साथ कई बार महिलाएं सही ब्लाउज का चुनाव नहीं कर पाती हैं, जिससे लुक खराब हो जाता है। अगर आप अपनी साधारण साड़ियों को एक नया और आकर्षक लुक देना चाहती हैं तो उनके साथ भारी ब्लाउज बेहतरीन लगेंगे। आप अपनी साधारण साड़ी के साथ डिजाइन वाले भारी ब्लाउज पहन सकती हैं।

कढ़ाई वाला भारी ब्लाउज : कढ़ाई वाला भारी ब्लाउज आपके लुक को शाही अंदाज दे सकता है। यह ब्लाउज किसी भी साधारण साड़ी के साथ अच्छी तरह मेल खाता है। आप अपनी पसंद की

कढ़ाई के काम वाला ब्लाउज चुन सकती हैं, जिनमें चिकनकारी, फुलकारी या कंथा आदि शामिल हों।

जरी की कारीगरी वाला भारी ब्लाउज : जरी की कारीगरी वाला भारी ब्लाउज आपकी साधारण साड़ी को महंगी साड़ी वाला लुक देगा। यह भारतीय कढ़ाई का एक प्राचीन और शानदार रूप है, जिसमें मखमल, सैटिन और रेशम जैसे कपड़ों पर जटिल डिजाइन बनाने के लिए धात्विक धागों का उपयोग किया जाता है।

मोती और पत्थरों से सजा हुआ भारी ब्लाउज : मोती और कीमती पत्थरों से सजा हुआ भारी ब्लाउज बहुत आकर्षक लगता है। इस तरह का ब्लाउज कई रंगों और डिजाइन में उपलब्ध रहता है और हर किसी पर अच्छा लग सकता है। इसे आप किसी भी रंग की साधारण साड़ी के ऊपर पहन सकती हैं, चाहे वह कढ़ाई वाली हो या बिलकुल सादी ही क्यों न हो। मोती और पत्थरों से सजा हुआ भारी ब्लाउज पहनने पर आपको एक शाही लुक मिल जाएगा।

कार्नर न्यूज

कुर्ती को ऐसे स्टाइल करना चाहिए कि न ज्यादा गर्मी लगे और न ही ठंड

इस बदलते मौसम में इस तरह पहनें कुर्तियां, स्टाइल से नहीं करना पड़ेगा समझौता

सर्दियों से गर्मियों में बदलाव होने के कारण कई महिलाएं अपने कपड़े बदलना शुरू कर देती हैं। ऐसे में महिलाएं कुर्ती को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाती हैं, क्योंकि ये न केवल आरामदायक होती है, बल्कि स्टाइलिश भी दिखती है। हालांकि, इस बदलते मौसम में कुर्ती को ऐसे स्टाइल करना चाहिए कि न ज्यादा गर्मी लगे और न ही ठंड। इसके लिए आप इन फैशन टिप्स को अपना सकती हैं और बेहद आकर्षक लुक पा सकती हैं।

जैकेट के साथ स्टाइल करें

बदलते मौसम के दौरान कभी भी ठंड पड़ने लगती है और अचानक गर्मी हो जाती है। ऐसे में आपको कुर्ती के ऊपर एक पतली जैकेट लेयर कर लेनी चाहिए। आप डेनिम जैकेट या फिर विंड चीटर जैकेट का चुनाव कर सकती हैं। ये लुक को बिगाड़ेंगी भी नहीं और हवा से आपको बचाए भी रखेंगी। अगर आप जैकेट नहीं पहनना चाहती हैं तो कोई पारंपरिक कोटी या कार्डिगन लेयर करके शानदार लुक पा सकती हैं।

सही रंग चुनें

सर्दियों में गहरे रंगों का चलन रहता है, लेकिन गर्मियों में हल्के और चमकीले रंग ज्यादा अच्छे लगते हैं। आप अपनी कुर्ती को हल्के नीले, गुलाबी या फिर पीले रंग की सलवार या पायजामा के साथ पहन सकती हैं। इसके अलावा आप विपरीत रंगों का मेल भी आजमा सकती हैं, जैसे हरे रंग की कुर्ती के साथ सफेद सलवार पहनना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

फैब्रिक का सोच-समझकर चुनाव करें

गर्मियों में हल्के कपड़ों का चयन करना सही रहता है, ताकि त्वचा को हवा लगे और आप आरामदायक महसूस करें। इस बदलते मौसम के लिए सूती कपड़े सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि ये ज्यादा असुविधाजनक नहीं होते हैं। इसके अलावा लिनेन और खादी जैसे कपड़े भी अच्छे विकल्प हो सकते हैं। इन सभी टिप्स को अपनाकर आप बदलते मौसम में भी स्टाइलिश दिख सकती हैं और बीमार पड़ने से भी बच सकती हैं।

अलग-अलग लंबाई का चयन करें

गर्मियों में अलग-अलग लंबाई वाली कुर्तियों का चयन करना बेहतर होता है। लंबी कुर्ती, मध्यम लंबाई वाली कुर्ती या छोटी कुर्ती, सभी विकल्प अच्छे लगते हैं। आप अपनी ऊंचाई और शरीर के आकार के अनुसार कुर्ती की लंबाई चुन सकती हैं, ताकि आपको आरामदायक महसूस हो और आपका लुक भी खास लगे। इसके अलावा आप अलग-अलग लंबाई वाली कुर्तियों को अलग-अलग अवसरों पर पहन सकती हैं, जिससे आपका स्टाइल और भी खास लगेगा।